देहरादून,पौड़ी–गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित
www.page3news.in
नगर संस्करण वर्ष 20 अंक: 352 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार–प्रवाह...
आत्मनिर्भरता की ओर

पेज थ्री

देहरादून, शुक्रवार, 20 मार्च 2026

मौसम अधिकतम 16.0° न्यूनतम 12.0°

82924.41

2 डोनाल्ड ट्रंप की ईरान को खुली धमकी
7 वनडे विश्व कप जीतने तक मुझे रहने दो

कतर के सबसे बड़े गैस हब पर हमला

ईरान पर हमले का आरोप, सऊदी अरब ने दी चेतावनी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। मध्य पूर्व में तनाव अब पूरी तरह बेकाबू हो चुकी है। आत्मघाती ड्रोन हमलों ने इराक में अमेरिकी सैन्य अड्डे को निशाना बनाया है। इसके साथ ही कतर के गैस हब पर मिसाइलों की बारिश हो गई है।

कतर की सरकारी ऊर्जा कंपनी कतर एनर्जी ने बताया कि गुरुवार को उसके कई लिक्विफाइड नेचुरल गैस यानी एलएनजी सुविधाओं पर मिसाइल हमले हुए। इन हमलों से बड़े–बड़े आग लग गई और पहले वाले नुकसान में और भी भारी इजाफा हो गया। कंपनी ने साफ कहा कि यह हमले पिछले वाले हमले के बाद हुए हैं। बुधवार को रास लफान इंडस्ट्रियल सिटी पर जो हमला हुआ था, उसमें गैस–टू–लिक्विड्स सुविधा को भारी नुकसान पहुंचा था।

ईरान अमेरिकी चेतावनी से डरने के बजाय और आक्रामक हो गया है। उसने कुवैत की मीना अब्दुल्लाह रिफाइनरी पर हमला किया है। इसके बाद इस प्लांट में आग लग गई है। ईरान का दूसरा टारगेट सऊदी अरब की सबसे बड़ी तेल कंपनी सऊदी अरामको का एसएएमआरईएफ रिफाइनरी रही है। यह मध्य पूर्व की सबसे बड़ी रिफाइनरियों में से एक है, जिसकी क्षमता लगभग 730,000 बैरल प्रति दिन है। ईरान के मिसाइल हमलों से कतर के रास लफ्फान इंडस्ट्रियल सिटी में स्थित दुनिया के सबसे बड़े एलएनजी केंद्र को भारी नुकसान पहुंचा है।

कतर दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा एलएनजी निर्यातक है, ऐसे में इस हमले का असर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर पड़ सकता है। यूएई के अबू धाबी स्थित रुवैस रिफाइनरी पर भी ईरान ने ड्रोन हमले किए हैं। वहीं सऊदी अरब के रास तनुरा रिफाइनरी पर भी ड्रोन हमले हुए, जिससे वहां आग लग गई और उसे आंशिक रूप से बंद करना पड़ा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि ईरान के साउथ पार्स गैस फील्ड पर अब कोई हमला नहीं होगा। लेकिन अगर ईरान ने कतर के एलएनजी प्लांट पर फिर से हमला किया तो अमेरिका उस पूरे फील्ड को इतनी ताकत से उड़ा देगा कि ईरान ने कभी सपने में भी नहीं सोचा होगा।

कतर के गैस प्लांट पर लगातार हमले

ईरान की सरकारी टीवी ने भी इस हमले की पुष्टि की। उसने बताया कि कतर का मुख्य गैस प्लांट रास लफान रिफाइनरी फिर से मिसाइल से टकराया गया। हमले के बाद वहां आग लग गई और धुआं उठ रहा है। ईरान की स्टेट टीवी ने टेलीग्राम पर पोस्ट भी किया कि रास लफान रिफाइनरी जल रही है। इससे साफ है कि हमले रुकने का नाम नहीं ले रहे। कतर ने पहले वाले हमले में भी भारी नुकसान की बात कही थी और अब नई मिसाइलों ने स्थिति और बिगाड़ दी है।

सऊदी अरब ने आक्रमक तेवर

सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान ने साफ चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि ईरान अपने पड़ोसियों पर हमलों से दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। सऊदी अरब इस दबाव में नहीं झुकेगा और अगर जरूरी हुआ तो सैन्य कार्रवाई का पूरा अधिकार रखता है। रियाद में क्षेत्रीय विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद प्रिंस फैसल ने कहा कि यह दबाव उल्टा पड़ने वाला है। सऊदी अरब पहले भी साफ कर चुका है कि वह जवाबी कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटेगा।

भारत पर क्या होगा असर?

एलएनजी उत्पादक देशों पर हो रहे हमले से भारत जैसे देशों पर विशेष रूप से गहरा असर पड़ रहा है, जो अपनी प्राकृतिक गैस की लगभग 50 प्रतिशत जरूरतें अंतरराष्ट्रीय बाजार से पूरी करते हैं। भारत अपनी प्राकृतिक गैस की जरूरतों का करीब 20 प्रतिशत हिस्सा कतर से आयात करता है। एनर्जी इकोनॉमिस्ट किरिट पारिख के मुताबिक, भारत अपनी नेचुरल गैस की जरूरतों का 50 प्रतिशत हिस्सा इंटरनेशनल मार्केट से इंपोर्ट करता है। किरित पारिख का कहना है कि 50 प्रतिशत नेचुरल गैस में से हम अपनी एलएनजी का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा कतर से खरीदते हैं, जिसका मतलब है कि भारत के कुल एलएनजी इंपोर्ट का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा कतर से आता है।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा ने बंगाल चुनाव के लिए दूसरी सूची जारी की

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने 111 उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी कर दी है। सोनारपुर दक्षिण से रूपा गांगुली को उम्मीदवार बनाया गया है। वहीं एंटाली से प्रियंका टिबरेवाल को टिकट दिया गया है। बीजेपी की नई लिस्ट में पूर्व केंद्रीय मंत्री निसिथ प्रामाणिक को माथाभांगा, हॉकी के पूर्व खिलाड़ी भरत छेत्री को कलिम्पोंग, नोमन राय को दार्जिलिंग से उम्मीदवार बनाया गया गया है।

यह कायरता नहीं जिम्मेदार कूटनीति है: थरूर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जंग को लेकर भारत सरकार की चुप्पी पर कांग्रेस के भीतर ही अलग–अलग राय सामने आई है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सरकार के रुख का बचाव करते हुए इसे जिम्मेदार कूटनीति बताया है, जबकि कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने इसी चुप्पी को जिम्मेदारी से पलायन करार दिया था।

सिर्फ हमारे लिए ही नहीं, दुनिया के लिए भी है मुश्किल समय

पश्चिम एशिया संकट पर विदेश मंत्रालय की दो टूक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली।पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच भारत ने वैश्विक स्तर पर कूटनीतिक संपर्क तेज कर दिए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि यह समय सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए परीक्षा का है। उन्होंने बताया कि भारत के नेता विभिन्न देशों के अपने समकक्षों के साथ लगातार संपर्क में हैं। सरकार हालात पर नजर बनाए हुए है और शांति व स्थिरता के लिए कूटनीतिक प्रयास जारी हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि भारत के शीर्ष नेता लगातार विभिन्न देशों के नेताओं के संपर्क में हैं। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कुवैत के क्राउन प्रिंस के बीच बातचीत हुई, जिसमें क्षेत्रीय हालात पर चिंता जताई गई। भारत ने कूटनीति के जरिए हालात को संभालने और अपने हितों की रक्षा करने की दिशा में काम जारी रखा है। सरकार ने कहा है कि खाड़ी देशों में बड़ी संख्या में भारतीय रहते हैं, इसलिए उनकी सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता है। भारतीय दूतावास और सरकार लगातार संपर्क में हैं ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत मदद पहुंचाई जा सके।

भारत इस संकट के बीच अपनी ऊर्जा जरूरतों को भी सुरक्षित रखने की कोशिश कर रहा है। होर्मुज जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर स्थिति को सामान्य बनाए रखना भारत के लिए जरूरी है, क्योंकि यही रास्ता तेल और गैस आपूर्ति का बड़ा स्रोत है। सरकार ने यह भी साफ किया कि वह इस संकट से निपटने के लिए कूटनीति और बातचीत का रास्ता अपना रही है, ताकि सप्लाई चेन जल्द सामान्य हो सके और लोगों को राहत मिल सके।

विदेश मंत्रालय ने साफ किया है कि भारत कई देशों और हितधारकों के साथ लगातार संपर्क में रहेगा। सरकार का कहना है कि वह कूटनीति के जरिए समाधान निकालने और अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

क्या कूटनीतिक प्रयासों से मिला फायदा?

विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारत के प्रयासों का असर भी दिखा है। हाल ही में बातचीत और समन्वय के जरिए भारत अपने दो एलपीजी जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित निकालने में सफल रहा है। यह भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

युद्ध की वजह से चिंताजनक बनी हुई है एलपीजी की स्थिति

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध को लगभग तीन हफ्ते हो चुके हैं। इस संघर्ष ने वैश्विक ऊर्जा संकट खड़ा कर दिया है। सबसे बड़े ऊर्जा आयातकों में से एक भारत भी इससे अछूता नहीं है। केंद्र सरकार लगभग प्रतिदिन ही लोगों को शांत रहने की अपील कर रही है, लेकिन जनता के बीच में डर बना हुआ है।

गुरुवार को भी पेट्रोलियम मंत्रालय की तरफ से बताया गया कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध की वजह से एलपीजी की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है, हालांकि फिलहाल देश में संतोषजनक मात्रा में एलपीजी मौजूद है। किसी भी डिस्ट्रीब्यूटर के यहां कोई कमी सामने नहीं आई है। इसके अलावा देश में क्रूड ऑयल के भी पर्याप्त भंडार मौजूद हैं। साथ ही पेट्रोल पंपों, घरेलू पीएनजी और गाड़ियों में इस्तेमाल होने वाली सीएनजी की सप्लाई भी लगातार जारी है। देश की जनता से शांति की अपील करते हुए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा, कच्चे तेल की स्थिति और रिफाइनरी संचालन सामान्य है। पेट्रोल पंपों पर भी कहीं भी सूखा नहीं देखा गया है। घरेलू पीएनजी और सीएनजी की भी पर्याप्त सप्लाई बनी हुई है।

मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने पश्चिम एशिया में तेल रिफाइनरियों और क्रूड ऑयल भंडारों पर होते हमलों को लेकर भी अपनी चिंता जताई। उन्होंने कहा, चल रहे युद्ध के कारण एलपीजी की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। हालांकि, कहीं भी कोई कमी नहीं है।

निर्देश

■जमाखोरी, कालाबाजारी रोकने के लिए सख्त निर्देश जारी

पीएनजी पर शिफ्ट हो रहे उपभोक्ता

सुजाता शर्मा ने बताया एलपीजी संकट के बीच में सरकार ने पीएनजी की ओर उपभोक्ताओं को शिफ्ट करने के काम में तेजी लाई है। इस प्रक्रिया को आसान भी बनाया गया है।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. I Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

बातचीत और कूटनीति को प्राथमिकता देना जरूरी

■पीएम मोदी ने फ्रांस से ओमान तक कई विश्व नेताओं से की बात

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक से बातचीत की और ओमान के लोगों को ईद की अग्रिम शुभकामनाएं दीं। पीएम मोदी ने एक्स के जरिए ये जानकारी दी।

पीएम मोदी ने लिखा कि मैंने अपने भाई सुल्तान हैथम बिन तारिक के साथ एक सार्थक बातचीत की और ओमान की जनता को ईद की अग्रिम शुभकामनाएं दीं। हम इस बात पर सहमत हुए कि तनाव कम करने और उसके बाद शांति और स्थिरता बहाल करने के लिए बातचीत और कूटनीति को प्राथमिकता देना जरूरी है। भारत और ओमान होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित और मुक्त आवागमन के पक्षधर हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से फोन पर बात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता को लेकर बात हुई। पीएम मोदी ने मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से बात की और पश्चिम एशिया की अत्यंत चिंताजनक स्थिति पर भी चर्चा की।

न्यूज डायरी

अमेरिका को टारगेट करने वाले मिसाइल बना रहे चीन और पाकिस्तान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अमेरिका। अमेरिकी खुफिया प्रमुख तुलसी गबार्ड ने सीनेट इंटेलिजेंस कमिटी के सामने 2026 की एनुअल थ्रेट असेसमेंट पेश करते हुए कहा है कि रूस, चीन, उत्तर कोरिया, ईरान और पाकिस्तान अमेरिका के लिए सबसे बड़े परमाणु खतरा बने हुए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि ये देश नए, उन्नत या पारंपरिक मिसाइल डिलीवरी सिस्टम विकसित कर रहे हैं, जिनमें परमाणु और पारंपरिक दोनों तरह के हथियार लगाए जा सकते हैं। इन मिसाइलों की रेंज अमेरिकी धरती तक पहुंच सकती है। तुलसी गबार्ड ने कहा कि चीन और रूस ऐसे एडवांस्ड डिलीवरी सिस्टम बना रहे हैं जो अमेरिकी मिसाइल डिफेंस को भेद या चकमा दे सकते हैं। उन्होंने जोर दिया कि अमेरिका को इन बढ़ते खतरों से गंभीरता से निपटना होगा। उत्तर कोरिया के आईसीबीएम पहले से ही अमेरिकी धरती तक पहुंच सकते हैं और वह अपना परमाणु हथियारों का भंडार बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। गबार्ड ने बताया कि उत्तर कोरिया रूस और चीन के साथ अपने संबंध मजबूत कर रहा है, जो वैश्विक सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती पैदा कर सकता है। पाकिस्तान के बारे में गबार्ड ने कहा कि इस्लामिक गणराज्य लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें विकसित कर रहा है। इनमें संभावना है कि आईसीबीएम शामिल हों, जिनकी रेंज अमेरिका पर हमला करने लायक हो सकती है। उन्होंने पाकिस्तान को भी प्रमुख परमाणु खतरे के रूप में नामित किया। गबार्ड ने अल-कायदा और आईएसआईएस को अमेरिकी हितों के लिए लगातार बड़ा खतरा बताया। उन्होंने बताया कि अमेरिका पर हमला करने में सक्षम मिसाइलों की संख्या 2025 में लगभग 3,000 थी, जो 2035 तक बढ़कर 16,000 हो जाएगी।

अमेरिका के विदेश मंत्री और रक्षा मंत्री के घर के ऊपर दिखे ड्रोन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। यूनाइटेड स्टेट्स की राजधानी वाशिंगटन डीसी में आर्मी बेस के ऊपर अज्ञात ड्रोन देखे गए हैं। अधिकारी अब इसके लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करने में जुटे हैं। वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ वॉशिंगटन के इसी क्षेत्र में रहते हैं। अमेरिका में ये ड्रोन देखे जाने की घटनाएं ऐसे समय में हुई हैं जब वैश्विक तनाव काफी बढ़ा हुआ है। मिडिल ईस्ट में संघर्ष तेज होने के कारण अमेरिका के प्रमुख सैन्य और सरकारी प्रतिष्ठानों के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अमेरिका के फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन ने इससे पहले कैलिफोर्निया पुलिस को ईरान की तरफ से होने वाले ड्रोन हमले को लेकर चेतावनी दी थी। एफबीआई ने यह चेतावनी फरवरी में जारी की थी। इस चेतावनी में लक्ष्यों या समय के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई थी। मिडिल ईस्ट में तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। अमेरिका-इजरायल ने 28 फरवरी को ईरान पर हमला किया था। इस हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई थी। अमेरिका-इजरायल के हमले के बाद ईरान ने खाड़ी देशों में अमेरिकी एयरबेस पर हमला किया। वहीं लेबनान में बसे हिजबुल्लाह ने ईरान के समर्थन में इजरायल पर मिसाइलें दागीं। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच छिड़े युद्ध का आज 20वां दिन है।

लंदन की सड़कों पर पान थूकना भारतीय मूल के 2 लोगों को पड़ा भारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। ब्रिटेन की राजधानी लंदन की एक काउंसिल ने भारतीय मूल के दो लोगों पर पान थूकने के लिए भारी जुर्माना लगाया है। ब्रेंट इलाके में पान थूकने के लिए इन दोनों पर 1300 पाउंड से ज्यादा का जुर्माना लगाया गया है। जुर्माने का सामने करने वाले दो लोगों में अक्षतकुमार भाद्रे पटेल और हितेश पटेल शामिल हैं। ब्रेंट काउंसिल ने हालिया समय में सड़कों पर पान या गुटखा थूकने के खिलाफ अभियान चलाते हुए लगातार जुर्माना वसूल रहा है। ब्रेंट काउंसिल ने एजवेयर में रहने वाले 31 साल के अक्षतकुमार भाद्रे पटेल पर नॉर्थ वेस्ट लंदन मजिस्ट्रेट कोर्ट ने 1,391 पाउंड (1 लाख, 72 हजार रुपए) का जुर्माना लगाया है। वह अपनी सुनवाई के लिए कोर्ट में पेश नहीं हुए तो उनकी गैर-मौजूदगी में उन पर आरोप साबित हो गया। उन्हें 11 जून, 2025 को किंग्सबरी में सड़क पर पान थूकने का दोषी पाया गया।

अगर कतर का एलएनजी फिर निशाना बना तो मैं एक पल भी नहीं सोचूंगा

रिपोर्ट

एलएनजी प्लांट पर हमले के बाद डोनाल्ड ट्रंप की ईरान को खुली धमकी

कतर के एलएनजी प्लांटों को मिसाइलों से नुकसान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)
अमेरिका। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने साफ कहा है कि इजरायल ईरान के सबसे कीमती साउथ पार्स गैस फील्ड पर कोई और हमला नहीं करेगा। जब तक ईरान बेवकूफी से कतर पर हमला नहीं कर देता। यह बयान ऐसे समय आया है जब तेहरान ने खाड़ी के पड़ोसी देशों के ऊर्जा प्लांटों पर हमले तेज कर दिए हैं और कतर के एलएनजी सुविधाओं को निशाना बनाया है।

ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल पोस्ट पर लिखा कि मिडिल ईस्ट में जो कुछ हो रहा है, उसके गुस्से में इजरायल ने ईरान के साउथ पार्स गैस फील्ड पर हमला कर दिया। सिर्फ एक छोटा-सा हिस्सा प्रभावित हुआ। अमेरिका को इस हमले की कोई जानकारी नहीं थी। कतर का इसमें कोई भी रोल नहीं था और उसे भी कुछ नहीं पता था। उन्होंने आगे कहा कि ईरान को ये सारी बातें नहीं पता थीं, इसलिए उसने कतर के एलएनजी प्लांट पर अनुचित हमला कर दिया।

ट्रंप ने बताया कि इस बेहद महत्वपूर्ण और कीमती साउथ पार्स फील्ड पर इजरायल अब कोई हमला नहीं करेगा। जब तक ईरान बेवकूफी से कतर पर हमला नहीं करता। लेकिन अगर ईरान ने कतर पर फिर से हमला किया तो ट्रंप ने साफ चेतावनी दी कि अमेरिका, इजरायल की मदद या सहमति के बिना भी, साउथ पार्स के पूरे फील्ड को इतनी ताकत और शक्ति से उड़ा देगा कि ईरान ने कभी देखा भी नहीं होगा। उन्होंने कहा, "मैं इतना बड़ा विनाश नहीं चाहता क्योंकि इसका ईरान के भविष्य पर लंबा असर पड़ेगा, लेकिन अगर कतर का एलएनजी फिर निशाना बना तो मैं एक पल भी नहीं सोचूंगा।"

कतर एनर्जी ने बताया कि ईरानी मिसाइलों ने देश के और भी एलएनजी प्लांटों को नुकसान पहुंचाया, जिससे बड़े पैमाने पर आग लग गई और व्यापक क्षति हुई। दमकलकर्मी आग बुझाने में जुटे हैं। अभी तक किसी के घायल होने की खबर नहीं है। कतर दुनिया के ऊर्जा बाजार के लिए प्राकृतिक गैस का बड़ा स्रोत है। युद्ध शुरू होने के बाद उसने पहले ही उत्पादन बंद कर दिया था, लेकिन अब बड़े नुकसान से युद्ध खत्म होने के बाद भी आपूर्ति में देरी हो सकती है।

इजरायल ने ईरान के विशाल ऑफशोर साउथ पार्स नेचुरल गैस फील्ड पर हमला किया। इसके जवाब में ईरान ने खाड़ी के पड़ोसी देशों के गैस प्लांटों पर हमले बढ़ा दिए। कतर, संयुक्त अरब अमीरात के हबशान और बाब फील्ड को निशाना बनाया। दोहा ने जवाब में ईरानी दूतावास अधिकारियों को 24 घंटे में देश छोड़ने का आदेश दे दिया। अबू धाबी ने इसे खतरनाक बढ़ोतरी बताया और गैस उत्पादन बंद कर दिया।

ईरान युद्ध पर अपने ही घर में बुरी तरह घिरे डोनाल्ड ट्रंप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) न्यूयॉर्क। अमेरिका में युद्ध कभी सिर्फ विदेश नीति नहीं होता, यह हमेशा घरेलू राजनीति में बदल जाता है। ईरान पर हमला करने से पहले डोनाल्ड ट्रंप ने कांग्रेस की औपचारिक मंजूरी नहीं ली और यही अब विवाद का केंद्र बन रहा है। विपक्ष का आरोप है कि राष्ट्रपति ने देश को बिना स्पष्ट जनमत के एक नए संघर्ष में झोंक दिया। दिलचस्प बात यह है कि सवाल सिर्फ विपक्ष नहीं उठा रहा, ट्रंप के अपने समर्थक भी असहज हैं।

अमेरिका फर्स्ट की राजनीति का मूल वादा था विदेशी युद्धों से दूरी। लेकिन, अब नोबेल शांति पुरस्कार के लिए स्वीडन को बुली करने वाले राष्ट्रपति ने अमेरिका को ऐसे संघर्ष में धकेल दिया है, जिसमें हर रोज लगभग एक बिलियन डॉलर स्वाहा हो रहे हैं। वहीं, अमेरिका के भीतर महंगाई ने आम आदमी का जीवन संघर्षमय बना दिया है। यहीं से ट्रंप की असली कश्मकश शुरू होती है बाहर युद्ध, अंदर असंतोष।

ट्रंप का सबसे मजबूत किला है उनका मेक अमेरिका ग्रेट अगेन बेस। उनके समर्थकों ने उन्हें इसलिए चुना था, क्योंकि वह वियतनाम, इराक और अफगानिस्तान जैसे अंतहीन युद्धों के खिलाफ थे। सवाल है कि क्या ईरान एक और इराक बनने जा रहा है? ट्रंप की लोकप्रियता सेंसेक्स की तरह हर दिन गिरती चली जा रही है।

आईआरजीसी के दम पर नहीं झुक रहा ईरान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) तेहरान। ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच 20 दिनों से युद्ध चल रहा है। इस जंग में ईरान की सबसे मजबूत ढाल इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स है। आईआरजीसी ईरानी सेना की कोई टुकड़ी नहीं, बल्कि इससे कहीं ज्यादा है। आईआरजीसी के पास सीधे ईरान के सुप्रीम लीडर को रिपोर्ट करने का अधिकार है। ईरान के पास दो मुख्य सशस्त्र बल हैं। एक आर्टेश जो कि नियमित सेना है। दूसरी इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स, जिसे 1979 की ईरान क्रांति के बाद बनाया गया था। ईरान की ये दोनों सेनाएं अलग-अलग वर्दी पहनती हैं, अलग-अलग कमांड चेन के तहत काम करती हैं और इनके उद्देश्य भी अलग-अलग होते हैं। आर्टेश और आईआरजीसी दोनों ही सेनाओं के काम करने का तरीका अलग-अलग है।

ईरान के खिलाफ जवाबी सैन्य कार्रवाई का अधिकार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

■सऊदी ने ईरानी हमलों पर दी कड़ी प्रतिक्रिया

रियाद। सऊदी अरब ने कहा है कि ईरान की ओर से हो रहे हमलों का जवाब देने का उनकी सेना को हक है और वह इस तरफ बढ़ सकते हैं। सऊदी सरकार में विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान ने कहा है कि हम ईरान से हो रहे मिसाइल और ड्रोन हमलों के जवाब में फौजी कार्रवाई से इनकार नहीं कर सकते हैं। बिन फरहान ने पाकिस्तान और दूसरे देशों के विदेश मंत्रियों के साथ बैठक के बाद यह बात कही है।

पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच रक्षा समझौता है। ऐसे में सऊदी के आधिकारिक तौर पर जंग में कूदने से पाकिस्तान भी लड़ाई में जाने को मजबूर हो जाएगा। रियाद में क्षेत्र के विदेश मंत्रियों की एक बैठक के बाद प्रिंस फैसल ने कहा कि ईरान हमलों के जरिए अपने पड़ोसियों पर दबाव डालने की कोशिश कर रहा है। सऊदी अरब इस दबाव के आगे नहीं झुकेगा बल्कि यह ईरान को उल्टा पड़ेगा। हमने बहुत साफ तौर पर कहा है कि हम जरूरत पड़ने पर फौजी कार्रवाई करने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं।

सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान ने पाकिस्तान, तुर्की और मिस्र के विदेश मंत्रियों के साथ ईरान युद्ध के चलते बिगड़े हालात पर चर्चा की है। सऊदी विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि बैठक के दौरान क्षेत्र में सुरक्षा और स्थिरता हासिल करने के लिए बातचीत और साझा प्रयासों में समन्वय बनाए रखने पर चर्चा की गई।

पाकिस्तान के डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री इशाक डार इस बैठक में मौजूद रहे हैं। डार का इस बैठक में होना अहम है क्योंकि सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच नाटो स्टाइल का डिफेंस समझौता है। इस समझौते के तहत अगर सऊदी अरब पर हमला होता है तो पाकिस्तान और पाकिस्तान पर हमले की सूरत में सऊदी उसकी सैन्य मदद करेगा।

अगर सऊदी अरब पर ईरान का हमला होगा और वह जंग में कूदता है तो पाकिस्तान मदद करने के लिए बाध्य होगा। हालांकि पाकिस्तान ने अभी तक इस मुद्दे पर बहुत संतुलित बयान दिए हैं।

चीन की खैर नहीं, भारत का है दोस्त

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ताइपे। ईरान और अमेरिका की जंग में विस्फोटक ड्रोन विमानों की ताकत देखकर दुनिया हैरान है। ईरान सऊदी अरब से लेकर कतर तक में तबाही मचा रहा है और सुपरपावर अमेरिका तथा इजरायली सेना इसे पूरी तरह से रोकने में नाकाम साबित हो रही है। अमेरिका के थॉड और पेट्रियट तथा इजरायल के एयर डिफेंस सिस्टम ईरानी शाहेद ड्रोन के आगे फेल हो गए हैं। इससे खाड़ी देशों में भारी नुकसान पहुंचा है। दुनियाभर के सैन्य रणनीतिकार विस्फोटक ड्रोन को लेकर अब बड़ी चेतावनी दे रहे हैं। वहीं यूक्रेन तुर्की के बायरकतार सीरिज के ड्रोन पर भरोसा करता है। तुर्की एवं ईरान के बाद अब एक और देश है जो अगला ड्रोन सुपरपावर बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इस देश का नाम ताइवान है जिसे चीन अपना हिस्सा कहता है।

Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

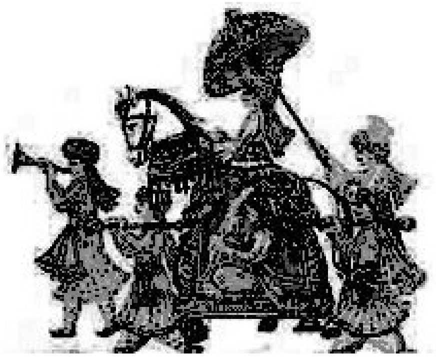

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

निर्माण कार्यों के कारण आमजन को नहीं होनी चाहिए कोई भी असुविधा

सचिव लोनिवि और जिलाधिकारी ने विभिन्न प्रमुख स्थलों का किया निरीक्षण

निरीक्षण

संवाददाता

देहरादून। सचिव, लोक निर्माण विभाग पंकज पाण्डेय ने गुरूवार को जिलाधिकारी सविन बंसल एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों के संग शहर में रोड कटिंग उपरांत मार्गों के रेस्टोरेशन कार्यों का व्यापक निरीक्षण किया। सचिव लोनिवि द्वारा प्रातः 06 बजे से विभिन्न प्रमुख स्थलों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के अंतर्गत दिलाराम चौक, हाथी बड़कला, साई मंदिर, नागल रोड, कैनाल रोड, धोरण, आईटी पार्क, लक्ष्मी रोड, कृषाली चौक, सहस्त्रधारा रोड, कर्जन रोड, मोहिनी रोड, धर्मपुर चौक, चंचल डेरी, फुव्वारा चौक, रिस्पना पुल, दून विश्वविद्यालय क्षेत्र, सपेरा बस्ती, बंगाली कोठी, एनएच हरिद्वार बाईपास, आईएसबीटी, शिमला बाईपास चौक, निरंजनपुर सब्जी मंडी, कमला पैलेस, बल्लीवाला चौक, बल्लूपुर चौक, किशननगर चौक, यमुना कॉलोनी, बिंदाल पुल सहित विभिन्न क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान सचिव लोनिवि ने कहा कि मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश हैं कि निर्माण कार्यों के कारण आमजन को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए तथा सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण किए जाएं। निरीक्षण में अधिकांश स्थानों पर सड़क रेस्टोरेशन कार्य संतोषजनक पाया गया, किन्तु कुछ स्थानों पर सड़क का समुचित पुनर्स्थापन नहीं किया गया था तथा मलबा सड़क पर पाया गया, जिससे आवागमन में बाधा उत्पन्न होने की संभावना है। इस पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि रोड कटिंग की अनुमति देते समय जिला प्रशासन द्वारा निर्धारित शर्तों का शत–प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, कार्य पूर्ण होने के उपरांत मार्गों का तत्काल एवं गुणवत्तापूर्ण रेस्टोरेशन किया जाए तथा मलबे का शीघ्र निस्तारण किया जाए।

उन्होंने स्पष्ट रूप से निर्देश दिए कि रोड कटिंग के दौरान निर्धारित समयसीमा एवं शर्तों का अनुपालन न करने वाले संबंधित कार्यदायी संस्थाओं एजेंसियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन की क्यूआरटी को निर्देश दिए कि ऐसे कार्यों की सत्त निगरानी रखी जाए तथा जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्यों का निष्पादन किया जाए।

जिलाधिकारी ने कहा कि जनहित एवं विकास कार्यों के लिए रोड़ कटिंग की अनुमतियां प्रदान की जाती है। उनके बजट, समयसीमा, मानक निर्धारित होतें है जिनके परिपालन की जिम्मेदारी प्रशासन की है इसके लिए रोड़ कटिंग समिति का गठन किया गया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर सभी एजेंसियों के अधिकारियों के साथ प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में आयोजित बैठक निर्णय लिया गया है कि कार्यदायी संस्थाओं/एजेंसियों को 02 या 3 स्थानों पर ही निर्माण कार्यों हेतु रोड कटिंग की अनुमति दी जाएगी तथा 15–21 दिन की समयसीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने के उपरान्त ही नए कार्यों की अनुमति दी जाएगी। इसके लिए सम्बन्धित एजेंसियों से शपथ पत्र लिया गया है कि शर्तों का उल्लंघन पाए जाने पर सम्बन्धित के विरूद्ध एक्शन लिया जा सकता है।

न्यूज डायरी

होटल–रेस्टोरेंट और धर्मशालाओं में गैस का संकट कायम

संवाददाता हरिद्वार। हरिद्वार में एलपीजी संकट ने होटल और रेस्टोरेंट कारोबार को बड़ी मुसीबत में डाल दिया है। कॉमर्शियल गैस की आपूर्ति सामान्य नहीं होने के कारण शहर के करीब 700 रेस्टोरेंट बंद हो चुके हैं और होटल कारोबार भी करीब आधा रह गया है। हरिद्वार में 1500 छोटे–बड़े होटल और रेस्टोरेंट हैं। लेकिन, इन दिनों स्थिति इतनी गंभीर है कि अधिकांश छोटे होटल बंद होने की कगार पर पहुंच गए हैं। अफसरों के अनुसार, जब तक सरकार से नई एसओपी जारी नहीं होती, तब तक होटल–रेस्टोरेंट और धर्मशालाओं को गैस सिलेंडर की सप्लाई नहीं मिलेगी। गैस की किल्लत और बंदी के कारण होटल कारोबार पर सीधा असर पड़ा है।

यात्रियों की संख्या तेजी से घटी है और होटल खाली होने लगे हैं। जिन होटलों में रेस्टोरेंट सुविधा बंद हो गई है, वहां ठहरने वाले यात्रियों की संख्या भी घट गई है। होटल कारोबारियों के मुताबिक, उनका व्यवसाय करीब 50 प्रतिशत तक गिर गया है। जब तक एसओपी जारी नहीं होती, तब तक इन संस्थानों को सप्लाई नहीं की जाएगी।

यूपीएससी में 104वीं रैंक लाने वाले पूर्व छात्र का सम्मान

संवाददाता हरिद्वार। द विजडम ग्लोबल स्कूल में गुरुवार को पूर्व छात्र आर्यन कुमार सिंह को सम्मानित किया गया। बता दें कि यूपीएससी में आर्यन ने हाल ही में 104वीं रैंक हासिल की है। आर्यन अपनी मां के साथ स्कूल पहुंचे, जहां उनका स्वागत किया गया। अध्यक्ष यूसी जैन और निदेशक सोनल जैन ने पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। आर्यन ने बताया कि सिविल सेवा परीक्षा में सफलता के लिए लक्ष्य के प्रति समर्पण, अनुशासन और निरंतर मेहनत जरूरी है। आखिर में स्कूल परिवार ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

दिव्यांगता हैंडबुक: उत्तराखंड में समावेशी नीति–निर्माण को मिलेगा बल

संवाददाता देहरादून । विधायी कार्यों में दिव्यांगता समावेशन को बढ़ावा देने के लिए सांसदों के लिए विशेष रूप से तैयार भारत की पहली हैंडबुक का हाल ही में केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले ने विमोचन किया। नेशनल सेंटर फॉर प्रमोशन ऑफ एम्प्लॉयमेंट फॉर डिसएबल्ड पीपल (एनसीपीईडीपी) द्वारा बजाज फिनसर्व सीएसआर के सहयोग से तैयार 'बियॉन्ड द विजिबल' कानून निर्माताओं को दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 को जमीनी स्तर पर प्रभावी बनाने के लिए व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान करती है। यह प्रकाशन उत्तराखंड जैसे राज्य के लिए विशेष रूप से प्रासंगिक है, जहाँ दिव्यांगजनों की उल्लेखनीय संख्या है और दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियाँ व दूरस्थ क्षेत्र अतिरिक्त चुनौतियाँ प्रस्तुत करते हैं।

प्रशासन ने 15 घरेलू सिलेंडर सहस्त्रधारा से अलग–2 होटल ढाबों से किए जब्त

संवाददाता देहरादून। एलपीजी गैस की कालाबाजारी रोकने तथा शत्प्रतिशत् होमडिलिविरी सुनिश्चित करवाने के जिलाधिकारी सविन बसंल के निर्देशों के अनुपालन में जिले में क्षेत्रवार क्यूआरटी टीम गठित की गई है। क्यूआरटी टीम आज क्षेत्रवार गैस एजेंसियों के निरीक्षण करते हुए एलपीजी गैस की मांग, आपूर्ति आदि सभी गतिविधियों देखी।

जिला प्रशासन ने आज 15 घरेलू सिलेंडर सहस्त्रधारा से अलग–2 होटल ढाबों से जब्त किए गए है। वहीं जिले में आज होमडिलिविरि के लिए भेजे गए 200 घरेलू सिलेंडर उपभोक्ताओं के पास खाली सिलेंडर न होने के कारण वापिस एजेंसी लाए है, उपभोक्ताओं द्वारा घबराहट की स्थिति में सिलेंडर होने के उपरान्त भी सिलेंडर बुक करा दिए थे निधारित समय पूर्ण होने पर गैस एजेंसी द्वारा होम डिलिविरि किये जाने पर उपभोक्ताओं के पास खाली सिलेंडर न होने के फलस्वरूप सिलेंडर वापिस एजेंसी लाए गए हैं, जो बैकलॉग में दर्शाए गए हैं उपभोक्ताओं के गैस सिलेंडर खाली होने पर होमडिलिविरि के माध्यम से उपभोक्ताओं को पुनः गैस सिलेंडर उपलब्ध करा दिए जाएंगे।

डीएम के निर्देशों के अनुपालन में अपर जिलाधिकारी वित्त एंव राजस्व के के मिश्रा कन्ट्रोलरूम से जिले में गैस वितरण, आपूर्ति की मॉनिटिरिंग जनमानस की समस्या के निस्तारण हेतु निगरानी बनाए हुए है। क्यूआरटी टीम द्वारा अबतक जिलें 415 औचक निरीक्षण किए गए है। जिला प्रशासन की क्यूआरटी के औचक निरीक्षणों एवं एलपीजी कालाबाजारी करने वालों पर दर्ज हुए मुकदमों एवं एजेंसियों की नाफरमानी पर की गई प्रवर्तन की कार्यवाही से गैस की कालाबाजारी करने वालों में भी भय का माहौल है।

सीएम ने किया सनातन परंपरा पर आधारित पंचांग कैलेंडर का भव्य विमोचन

संवाददाता देहरादून। हिन्दू नववर्ष के शुभ अवसर पर आज मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास पर सूचना एवं लोक संपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित पंचांग कैलेंडर का विधिवत विमोचन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने इसे राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को सहेजने एवं जन–जन तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड अपनी सनातन परंपराओं, धार्मिक आस्थाओं और सांस्कृतिक मूल्यों के लिए देश–विदेश में विशिष्ट पहचान रखता है। यहां की परंपराएं केवल आस्था का विषय नहीं हैं, बल्कि यह हमारी जीवनशैली, सामाजिक संरचना और सांस्कृतिक चेतना का अभिन्न अंग हैं। ऐसे में पंचांग कैलेंडर का प्रकाशन राज्य की इस गौरवशाली विरासत को संरक्षित करने और नई पीढ़ी तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम बनेगा।

उत्तराखंड के मंत्री सतपाल महाराज की तबीयत बिगड़ी, एम्स के आईसीयू में भर्ती

संवाददाता

■ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हाल–चाल जाना

देहरादून। उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता सतपाल महाराज की तबीयत अचानक बिगड़ गई। इसके बाद उन्हें एयरलिफ्ट कर ।प्प्डै ऋषिकेश में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों ने बताया कि उनकी हालत स्थिर है, लेकिन एहतियातन आईसीयू में भर्ती किया गया है। उनका हाल–चाल जानने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और ऋषिकेश विधायक प्रेमचंद अग्रवाल भी अस्पताल पहुंचे।

जानकारी के अनुसार, पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज एक महत्वपूर्ण बैठक के सिलसिले में पहाड़ी क्षेत्र में गए हुए थे, जहां उनकी तबीयत अचानक खराब हो गई। स्थिति को देखते हुए उन्हें तत्काल एयरलिफ्ट कर ऋषिकेश लाया गया। एम्स ऋषिकेश के चिकित्सा अधीक्षक सत्याश्री बालीचा ने बताया कि उन्हें एहतियातन आईसीयू में भर्ती किया गया है और अनुभवी डॉक्टरों की टीम उनकी निगरानी कर रही है।

डॉक्टरों के मुताबिक, उनकी सभी जांच रिपोर्ट सामान्य हैं और उनकी हालत फिलहाल स्थिर बनी हुई है। उन्होंने यह भी बताया कि सतपाल महाराज सामान्य रूप से खाना खा रहे हैं, चल रहे हैं और बातचीत भी कर रहे हैं, जो राहत की बात है।

सतपाल महाराज को तबीयत बिगड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उन्हें कार्डियक केयर यूनिट

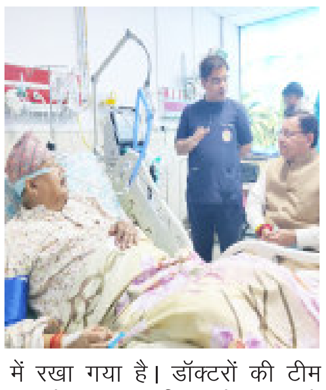

में रखा गया है। डॉक्टरों की टीम उनकी लगातार निगरानी कर रही है। मुख्यमंत्री धामी ने अस्पताल पहुंचकर डॉक्टरों से उनकी सेहत की जानकारी ली और बेहतर इलाज के निर्देश दिए।

दिन में खिली धूप और शाम को बारिश

संवाददाता चमोली। शहर में सुबह जहां धूप खिली, वहीं दोपहर होते–होते आसमान में बादल छा गए। शाम के समय बारिश शुरू हो गई, जिससे लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। पूरे दिन मौसम का मिजाज बदलता रहा। आईआईटी कृषि मौसम वेधशाला के अनुसार, गुरुवार को हरिद्वार का अधिकतम तापमान 27.5 और न्यूनतम 19 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बुधवार के मुकाबले अधिकतम तापमान करीब तीन डिग्री तक लुढ़का। जबकि, एक दिन पहले अधिकतम तापमान 31.5 डिग्री सेल्सियस तक रिकॉर्ड किया गया था। हालांकि, गुरुवार को दिन के समय लोगों को गर्मी से राहत मिली।

शिक्षा का उद्देश्य है बुद्धि को कुशाग्रबुद्धि बनाना और विवेक-शक्ति को विकसित करना। यदि ये दोनों उद्देश्य पूर्ण हो जाते हैं, तो शिक्षा का लक्ष्य पूरा हो गया है। -अज्ञात

पेज थ्री
www.page3news.in

आत्मनिर्भरता की ओर

संकट के मौके सबक भी लेकर आते हैं। तो भारत के लिए सबक क्या है? पीएम ने आत्मनिर्भरता की बात कही। भारत की जरूरत और घरेलू उत्पादन को देखते हुए तेल-गैस के मामले में पूरी तरह आत्मनिर्भर होना तो मुश्किल होगा, लेकिन आयात पर अति-निर्भरता जरूर कम की जा सकती है।

अभिषेक पाण्डेय।।

पीएम नरेंद्र मोदी ने एक रैली में कहा कि सरकार खाड़ी क्षेत्र में फंसे भारतीयों तक हरसंभव सहायता पहुंचाएगी, उन्हें अकेला नहीं छोड़ा जाएगा। वहीं, युद्ध की वजह से पैदा हुए ऊर्जा संकट का हवाला देते हुए बताया कि इसलिए आत्मनिर्भरता जरूरी है। इस तरह से मौजूदा संकट में सरकार ने लोगों में भरोसा जताने और भविष्य की तैयारी का संदेश दिया है।

सरकार लगातार कह रही है कि देश में तेल-गैस की कमी नहीं है। लेकिन, रसोई गैस को लेकर चिंता तो फैल ही चुकी है। दिल्ली, मुंबई, लखनऊ जैसे महानगरों में होटल-रेस्तरां ने गैस सप्लाई में रुकावट की शिकायत की है। कमर्शल स्च्ळ की सप्लाई कई जगह रुक गई है। हालांकि पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा कि घरों में पहले की तरह ही गैस आपूर्ति की जा रही है और घबराने की जरूरत नहीं।

सरकार ने एलपीजी उत्पादन 25 प्रतिशत बढ़ाने का निर्देश दिया है। इसी तरह, रूस से 3 करोड बैरल कच्चा तेल खरीदा गया है। चूंकि होर्मुज स्ट्रेट बंद है, तो दूसरे रास्तों से तेल मंगाया जा रहा है। तेल-गैस की आपूर्ति सुचारू रखने के लिए ये सारे कदम उठाए जा रहे हैं। लेकिन, यह बात भी समझने वाली है कि युद्ध जिस स्तर पर फैल चुका है, इसका असर किसी न किसी रूप में तो पड़ेगा ही। भारत जैसे देशों के लिए, जो अपनी जरूरत का ज्यादातर पेट्रोलियम आयात करते हैं, यह परीक्षा का समय है।

संकट के मौके सबक भी लेकर आते हैं। तो भारत के लिए सबक क्या है? पीएम ने आत्मनिर्भरता की बात कही। भारत की जरूरत और घरेलू उत्पादन को देखते हुए तेल-गैस के मामले में पूरी तरह आत्मनिर्भर होना तो मुश्किल होगा, लेकिन आयात पर अति-निर्भरता जरूर कम की जा सकती है। सौर और पवन जैसी रिनोवेबल ईनजी को ज्यादा तेजी से प्रमोट करने का वक्त है। इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना होगा। इससे पेट्रोल-डीजल का बिल तो कम होगा ही, पर्यावरण में भी सुधार होगा।

एक और जरूरी कदम है स्ट्रैटिजिक ऑयल रिजर्व को बढ़ाना। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने पिछले दिनों बताया था कि भारत का पेट्रोलियम रिजर्व 74 दिनों की जरूरत पूरी कर सकता है। वैसे इंटरनैशनल एनर्जी एजेंसी के मुताबिक 90 दिनों का रिजर्व होना चाहिए। यह मामला देश की अर्थव्यवस्था के साथ-साथ सुरक्षा से भी जुड़ा है। पश्चिम एशिया का इतिहास रहा है अस्थिरता। भारत को स्थिरता के लिए खुद रास्ते बनाने होंगे।

एक अलग सच

धर्म-दर्शन

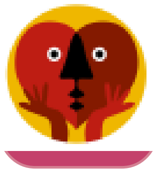

अशोक वोहरा। आज का इंसान बार बार यह कहता है कि वह खुश रहना चाहता है। वह खुशी खोजता है रिश्तों में, उपलब्धियों में, यात्राओं में, मनोरंजन में और बाहरी सफलताओं में। पर यदि हम थोड़ी देर ईमानदारी से भीतर झांकें, तो एक अलग सच सामने आता है। हम वास्तव में हर समय खुश रहना नहीं चाहते। हम बस यह चाहते हैं कि कोई हमें समझ ले। कोई हमारी उलझन को देख ले, हमारे मौन को सुन ले, और हमारे भीतर चल रहे संघर्ष को बिना जज किए स्वीकार कर ले। दुख का सबसे बड़ा कारण जीवन की कठिनाई नहीं होती, बल्कि यह अनुभव होता है कि हमारी बात कोई सुन नहीं रहा। हम भीड़ में रहते हुए भी अकेले महसूस करते हैं, क्योंकि हमारे आसपास लोग हैं, पर समझ नहीं है। **...शेष कल**

संपादकीय

छवि-निर्माण

भारत जैसे विशाल और विविध समाज में पहचान हमेशा सरल और एक-आयामी नहीं होती। किसी व्यक्ति का जन्म गाँव में हो सकता है, लेकिन शिक्षा शहर में हुई हो सकती है। किसी के माता-पिता खेती से जुड़े हो सकते हैं, जबकि परिवार की आर्थिक स्थिति अपेक्षाकृत मजबूत हो सकती है। वास्तव में दोनों बातें एक साथ सही हो सकती हैं। लेकिन जब कहानी को सरल और प्रभावी बनाने की कोशिश की जाती है, तो अक्सर एक ही पहचान को प्रमुखता दी जाती है। यही कारण है कि कभी-कभी लोगों को यह लगता है कि वास्तविकता से अलग या बढ़ा-चढ़ाकर चित्र प्रस्तुत किया जा रहा है। आज का समय छवि और कथानक का समय है। सामाजिक माध्यमों ने हर व्यक्ति को अपनी छवि गढ़ने का अवसर दिया है। लोग केवल यह नहीं बताते कि वे कौन हैं, बल्कि यह भी तय करते हैं कि वे समाज के सामने कैसे दिखाई देना चाहते हैं। लेकिन जब यह प्रक्रिया वास्तविकता से अधिक छवि-निर्माण पर आधारित होने लगती है, तो यह आलोचना का विषय बन जाती है। समाज को यह महसूस होने लगता है कि लोकप्रियता प्राप्त करने के लिए पहचान का उपयोग किया जा रहा है।

भारत में संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा केवल एक परीक्षा नहीं है, बल्कि यह लाखों युवाओं के सपनों, संघर्षों और आकांक्षाओं का प्रतीक है। हर वर्ष देशभर से लाखों अभ्यर्थी इस परीक्षा में बैठते हैं और कुछ ही सफल हो पाते है।

लाखों युवाओं का सपना

डॉ. प्रियंका सौरभ।।

कई अभ्यर्थी वास्तव में गाँवों या साधारण परिवारों से आते हैं और अपनी कहानी इसलिए साझा करते हैं ताकि दूसरे युवाओं को प्रेरणा मिल सके। भारत में ऐसे अनेक सफल अधिकारी हैं जिनकी जड़ें छोटे कस्बों और ग्रामीण परिवेश से जुड़ी रही हैं। उनकी सफलता यह संदेश देती है कि सीमित संसाधनों के बावजूद मेहनत और लगन से बड़ी उपलब्धियाँ हासिल की जा सकती हैं। हालाँकि, सामाजिक माध्यमों के इस दौर में एक अलग प्रवृत्ति भी देखने को मिलती है। कुछ लोग अपनी छवि गढ़ने के लिए "किसान का बेटा" या "गाँव से आया लड़का या लड़की" जैसी पहचान को अधिक उभारकर प्रस्तुत करते हैं। कई बार इसका उद्देश्य सहानुभूति अर्जित करना, अपनी कहानी को अधिक प्रेरणादायक बनाकर प्रस्तुत करना या समाचार माध्यमों और सामाजिक माध्यमों में अधिक ध्यान आकर्षित करना भी होता है।

भारत में संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा केवल एक परीक्षा नहीं है, बल्कि यह लाखों युवाओं के सपनों, संघर्षों और आकांक्षाओं का प्रतीक है। हर वर्ष देशभर से लाखों अभ्यर्थी इस परीक्षा में बैठते हैं और उनमें से कुछ सौ लोग ही अंततः प्रशासनिक सेवा में स्थान प्राप्त कर पाते हैं। इसलिए जो लोग इस कठिन परीक्षा में सफल होते हैं, वे स्वाभाविक रूप से समाज में चर्चा और

सम्मान का विषय बन जाते हैं। समाचार माध्यम, सामाजिक माध्यम और आम समाज उनके जीवन की कहानी जानने के लिए उत्सुक रहते हैं। पिछले कुछ वर्षों में एक दिलचस्प और कभी-कभी चिंताजनक प्रवृत्ति भी देखने को मिली है। कई बार ऐसा प्रतीत होता है कि शहरों की समृद्ध पृष्ठभूमि में पले-बढ़े कुछ सफल अभ्यर्थी अचानक अपनी पहचान को "किसान पुत्र", "गाँव का बेटा" या "ग्रामीण पृष्ठभूमि" के रूप में प्रस्तुत करने लगते हैं। यह प्रवृत्ति केवल व्यक्तिगत पहचान का प्रश्न नहीं हैय यह उस व्यापक सामाजिक-मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया को भी उजागर करती है, जिसमें लोकप्रियता और सहानुभूति प्राप्त करने के लिए अपनी कहानी को विशेष तरीके से प्रस्तुत किया जाता है।

यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि आखिर ऐसा क्यों होता है? क्या यह केवल प्रेरणा देने का प्रयास है या फिर लोकप्रियता हासिल करने की एक रणनीति? इस प्रश्न का उत्तर सरल नहीं है, क्योंकि इसके पीछे कई सामाजिक, सांस्कृतिक और माध्यम-संबंधी कारण छिपे हुए हैं। भारतीय समाज में संघर्ष की कहानियाँ हमेशा से अत्यधिक सम्मानित रही हैं। जब कोई व्यक्ति कठिन परिस्थितियों से निकलकर बड़ी सफलता हासिल करता है, तो वह कहानी लाखों लोगों को प्रेरित करती है। यही कारण है कि समाचार माध्यम अक्सर ऐसे उदाहरणों को प्रमुखता से प्रस्तुत करते हैं, जहाँ कोई अभ्यर्थी सीमित संसाधनों, आर्थिक कठिनाइयों या ग्रामीण पृष्ठभूमि के बावजूद सफलता प्राप्त करता है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि ऐसी कहानियाँ समाज के लिए सकारात्मक भूमिका निभाती हैं। वे युवाओं को यह विश्वास दिलाती हैं कि परिस्थितियाँ चाहे जैसी भी हों, मेहनत और दृढ़ संकल्प से सफलता हासिल की जा सकती है। भारत जैसे देश में, जहाँ आज भी ग्रामीण और शहरी अवसरों के बीच बड़ा अंतर मौजूद है, ऐसी कहानियाँ उम्मीद और प्रेरणा का स्रोत बनती हैं। लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है जब वास्तविकता से अधिक आकर्षक या भावनात्मक कहानी प्रस्तुत करने का दबाव बढ़ जाता है। सामाजिक माध्यमों के इस दौर में हर व्यक्ति अपनी कहानी को इस तरह प्रस्तुत करना चाहता है कि वह अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचे और उन्हें प्रभावित करे। इस प्रक्रिया में कभी-कभी वास्तविक पृष्ठभूमि की जटिलता को सरल और भावनात्मक कथा में बदल दिया जाता है। ईमानदारी, संवेदनशीलता और जनसेवा की भावना ही किसी भी अधिकारी की सबसे बड़ी पहचान होती है।

अष्टयोग-4996

	6	2			7	5
	25		26	5	40	
4	5	1			2	
	37	6	35		27	3
	3			4	1	
5	33	4	42		26	
2			6	3		4

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 4995 का हल

6	3	1	5	2	7	4
2	30	4	30	6	30	1
5	2	7	4	1	6	3
3	32	6	39	7	31	2
1	5	3	7	4	2	6
4	31	5	35	5	33	7
7	4	2	6	3	1	5

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अपना ब्लॉग

सामाजिक जिम्मेदारी

मोहन। आज के समय में समाचार माध्यम और सामाजिक माध्यम किसी भी व्यक्ति की छवि बनाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एक सफल अभ्यर्थी की कहानी कुछ ही घंटों में पूरे देश में फैल सकती है। विभिन्न साक्षात्कार, वीडियो मंच और समाचार लेख अक्सर उस कहानी के ऐसे पहलुओं को सामने लाते हैं जो भावनात्मक और प्रेरणादायक हों। माध्यमों की दृष्टि से यह स्वाभाविक भी है, क्योंकि दर्शक और पाठक ऐसी कहानियों से अधिक जुड़ाव महसूस करते हैं। "गाँव से निकलकर प्रशासनिक सेवा में पहुँचा युवक" या "किसान की बेटी जिसने प्रशासनिक सेवा में स्थान बनाया" जैसी सुर्खियाँ तुरंत ध्यान आकर्षित करती हैं। परिणामस्वरूप, कभी-कभी कहानी के कुछ हिस्सों को अधिक महत्व दिया जाता है, जबकि अन्य पहलू पीछे छूट जाते हैं। यदि किसी अभ्यर्थी का परिवार मूल रूप से ग्रामीण क्षेत्र से जुड़ा रहा हो, लेकिन उसकी शिक्षा और परवरिश शहरों में हुई हो, तो माध्यम अक्सर उसी ग्रामीण संबंध को प्रमुखता से प्रस्तुत करते हैं। इससे वास्तविकता का एक आंशिक चित्र सामने आता है। देश में हजारों ऐसे अधिकारी हैं जो अपनी पृष्ठभूमि के बारे में ईमानदारी से बात करते हैं और अपनी सफलता को केवल व्यक्तिगत उपलब्धि के रूप में नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में देखते हैं।

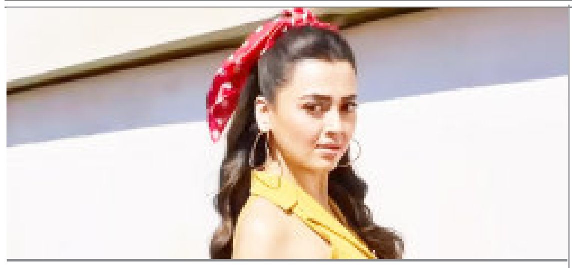

घर में अकेली थीं तेजस्वी प्रकाश, तभी घुसा फैन, एक्ट्रेस ने सुनाई आपबीती

तेजस्वी प्रकाश टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस हैं और अब तो वह ओटीटी के प्रोजेक्ट्स भी कर रही हैं। हाल ही वह श्साइको सैयांश में नजर आई थीं। तेजस्वी प्रकाश की जबरदस्त फैन फॉलोइंग हैं और जहां भी वह जाती हैं, फैंस की भारी भीड़ उन्हें घेर लेती है। लेकिन एक बार एक्ट्रेस एक ऐसे सनकी फैन से टकराईं कि वह बुरी तरह डर गई थीं। यह शख्स रोजाना तेजस्वी प्रकाश के घर पहुंच जाता था और उनके आंगन में लेटर डाल देता था। तेजस्वी प्रकाश ने एक इंटरव्यू में पीछा करने वाले इस शख्स के बारे में बताया। साथ ही बताया कि कैसे करण कुंद्रा और परिवार ने उन्हें उस सनकी आदमी से पीछा छुड़ाने में मदद की। इसके लिए एक्ट्रेस को पुलिस की भी मदद लेनी पड़ी थी। तेजस्वी प्रकाश ने बताया, श्एक स्टॉकर था, जो मेरा पीछा करता था। वो रोज मेरे घर आता था। मैं एक रो हाउस में रहती हूं, तो इसलिए घर में एक आंगन है। वो फैन वहां चिट्ठियां छोड़ जाता था। हर बार जब मैं घर से बाहर निकलती, तो मुझे वो चिट्ठियां दिखतीं और मैं सोचती कि यह किसने किया होगा। हमने बड़ी समझदारी से कैमरे लगवा लिए, लेकिन हम उसे पकड़ नहीं पाए। लेकिन तब तेजस्वी के होश उड़ गए, जब एक दिन वह घर में अकेली थीं और वो आदमी अंदर घुस गया। तेजस्वी ने वो डरावना वाकया याद करते हुए बताया, श्एक दिन, जब मैं घर में अकेली थी, वह अंदर आ गया। खुशकिस्मती से, मेरा ड्राइवर और मां आ गए और उन्होंने उसे बालकनी में ही पकड़ लिया। हमें उसे पुलिस के पास ले जाना पड़ा। वह बहुत अजीबोगरीब चिट्ठियां छोड़ जाता था। पहले करण कुंद्रा ने उसे हैंडल किया और फिर हम उसे पुलिस के पास ले गए। एक दिन जब मैं घर में अकेली थी, वह अंदर आ गया।

सत्ता की भेंट चढ़ेगा टिमोथी–जेंडया का प्यार, रॉबर्ट पैटिंसन को पहचानना मुश्किल

साल 2021 में ड्यून और फिर 2024 में ड्यूनः पार्ट 2 से दुनियाभर के दर्शकों का दिल जीतने के बाद, डायरेक्टर डेनिस विलन्यूव अपनी स्पेस ओपेरा की अगली कड़ी ड्यूनः पार्ट 3 के साथ फिर से हाजिर हैं। फ्रैंक हर्बर्ट की 1965 की मशहूर किताब के तीन–हिस्सों वाले अडैप्टेशन से इतर, डायरेक्टर साहब इस बार कुछ अलग लेकर आ रहे हैं। ड्यून 3 का ट्रेलर रिलीज हो गया है और इसे ट्रिलॉजी का शानदार अंत बताया जा रहा है। 2 मिनट 35 सेकेंड के ट्रेलर में हमें टिमोथी शैलमे की पॉल के रूप में झलक दिखती है। मार्टी सुप्रीम के लिए ऑस्कर 2026 का नामांकन पाने वाले टिमोथी की इस नई फिल्म की कहानी में 17 साल का लीप भी आने वाला है। साथ ही विलेन के रूप में रॉबर्ट पैटिंसन भी पहली बार नजर आए हैं। वॉर्नर ब्रदर्स ने ड्यूनः पार्ट 3 का पहला टीजर ट्रेलर मंगलवार को रिलीज किया है।

सरके चुनर तेरी गाने पर लगा बैन, संसद में मचा बवाल

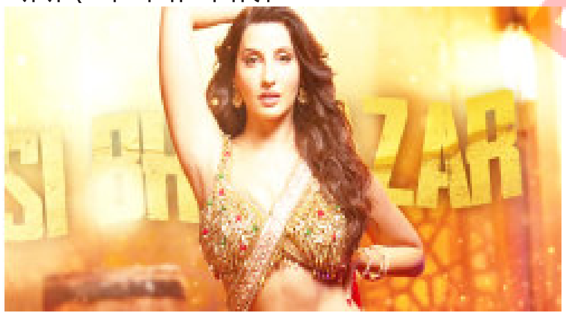

भारत सरकार ने कन्नड़ फिल्म केडीः द डेविल के गाने सरके चुनर तेरी पर आधिकारिक रूप से बैन लगा दिया है। संसद में भी इस गाने के अश्लील विवाद का मामाल उछला। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्ण ने सदन को बताया कि गाने पर बैन लगा दिया गया है। साथ ही सेंसर बोर्ड से कहा गया है कि वह नोरा फतेही और संजय दत्त के इस गाने के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करे। विवाद के बीच मेकर्स ने पहले ही यह गाना यूट्यूब से हटा लिया था। इस मामले में फिल्मी दुनिया से लेकर धार्मिक और सामाजिक संगठनों की ओर से भी काफी रिएक्शंस सामने आ रहे है, जहां लोगों की नाराजगी इस वक्त सातवें आसमान पर है। सिंगर अरमान मलिक से लेकर कंगना रनौत तक इस गाने के बोल पर अपना गुस्सा जता चुकी हैं। वहीं मामला अब संसद के सदन में भी गूंजा और सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पूरे मामले में अपनी बात रखी है। एक वीडियो में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने फिल्म श्केडीरू द डेविलश के गाने सरके चुनर तेरी पर अपना विचार रखते नजर आ रहे हैं। बता दें कि लोकसभा में सपा सांसद आनंद भदौरिया ने बॉलीवुड फिल्म के गाने सरके चुनरिया पर सवाल उठाया जिसमें नोरा फतेही डांस करती नजर आई थीं।

राजपाल यादव नहीं जाएंगे जेल, अब 1 अप्रैल को सुनवाई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

चेक बाउंस मामले में फंसे बॉलीवुड एक्टर राजपाल यादव की अंतरिम जमानत की अवधि खत्म होने के दिन दिल्ली हाईकोर्ट में बुधवार, 18 मार्च को सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट ने माना कि एक्टर की तरफ से काफी रकम जमा की जा चुकी है लेकिन अदालत ने कहा कि अगर पूरा बकाया चुकाया जाता है तो मामला खत्म हो सकता है। इसके अलावा कहा कि उन्हें दोबारा जेल भी नहीं भेज रहे। वह बाहर रहेंगे।

दोबारा जेल भेजने की जरूरत नही

सुनवाई के दौरान राजपाल यादव के वकील ने अदालत को बताया, हमने नियमित जमानत के लिए याचिका दाखिल कर दी है। संबंधित कंपनी मुरली प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड को अब तक 4.45 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है और 25 लाख रुपए का डिमांड ड्राफ्ट दिया जा रहा है। इस पर कोर्ट ने कहा, एक्टर की तरफ से पर्याप्त धनराशि जमा की जा चुकी है, इसलिए फिलहाल उन्हें दोबारा जेल भेजने की जरूरत नहीं है। सुनवाई के दौरान जज ने सीधे तौर पर राजपाल यादव से पूछा कि क्या उन्होंने लोन लिया था। इस पर एक्टर ने साफ शब्दों में स्वीकार किया कि हां, उन्होंने कर्ज लिया था।

केस की दिल्ली कोर्ट में सुनवाई

इसके बाद अदालत ने कहा, आपको पहले भी कई मौके दिए गए थे, लेकिन समय पर भुगतान नहीं किया गया। इस पर राजपाल यादव ने कहा कि 2016 में उन्हें करीब 10 करोड़ 40 लाख रुपए चुकाने को कहा गया था और उन्होंने अपनी तरफ से कोशिश भी की थी। एक दोस्त की 28 करोड़ रुपए की संपति के कागजात भी कोर्ट में पेश किए थे, लेकिन स्थिति नहीं सुलझ सकी।

कोर्ट में राजपाल यादव ने रखी अपनी दलील

राजपाल यादव ने आगे कहा, मैंने 2 करोड़ रुपए पहले ही चुका दिए हैं, लेकिन दूसरी पार्टी की मंशा मुझे जेल भेजने की थी। जब मैं जेल चला गया, तो ऐसे में वो पैसे खत्म हो जाते हैं। एक्टर ने अपनी फिल्म के बारे में कहा कि इस प्रोजेक्ट में लगभग 22 करोड़ रुपए लगाए गए थे, जिसमें से 17 करोड़ का नुकसान हुआ।

अगली सुनवाई 1 अप्रैल को

अदालत ने इस पूरी दलील को सुनने के बाद कहा कि यह आखिरी मौका है। कोर्ट ने कहा कि अगर राजपाल यादव पूरा बकाया चुकाते हैं, तो केस खत्म किया जा सकता है। अगर वह इस पर कानूनी बहस जारी रखना चाहते हैं, तो फिर मामले को उसी दिशा में आगे बढ़ाया जाएगा। पूरे मामले की अगली सुनवाई 1 अप्रैल को होगी।

राजपाल यादव ने मीडिया से केस के बारे में कहा?

कोर्ट से बाहर आकर मीडिया से बातचीत में राजपाल यादव ने कहा, 1 तारीख को सुनवाई फिर है, मुझे न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा है। मैं भी इधर हूं और आप भी इधर हैं। और जो भी न्याय प्रणाली है, उसको फुल–फुल श्रद्धा के साथ नमन करते हुए 1 तारीख को सुनवाई है। दूध का दूध और पानी का पानी निकलवाने की पूरी कोशिश करेंगे। मुझे न्याय प्रणाली पर पूरा भरोसा है।

13 दिन तिहाड़ जेल में थे राजपाल यादव

बता दें कि 2010 में अता पता लापता बनाने के लिए राजपाल यादव ने 5 करोड़ रुपये लिए थे, जिसके चुका नहीं पाए थे। सारे चेक बाउंस हो गए थे। जिसके बाद कोर्ट में प्रोड्यूसर ने केस किया और फरवरी, 2026 में वह दूसरी बार जेल गए।

कंगना रनौत ने सारा अली खान को बताया सनातनी

कंगना रनौत ने सारा अली खान से केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम में दर्शन करने के लिए एफिडेविट मांगे जाने पर रिएक्ट किया है। कंगना का कहना है कि सारे धर्म सनातनी हैं और सारा भी सनातनी हैं।

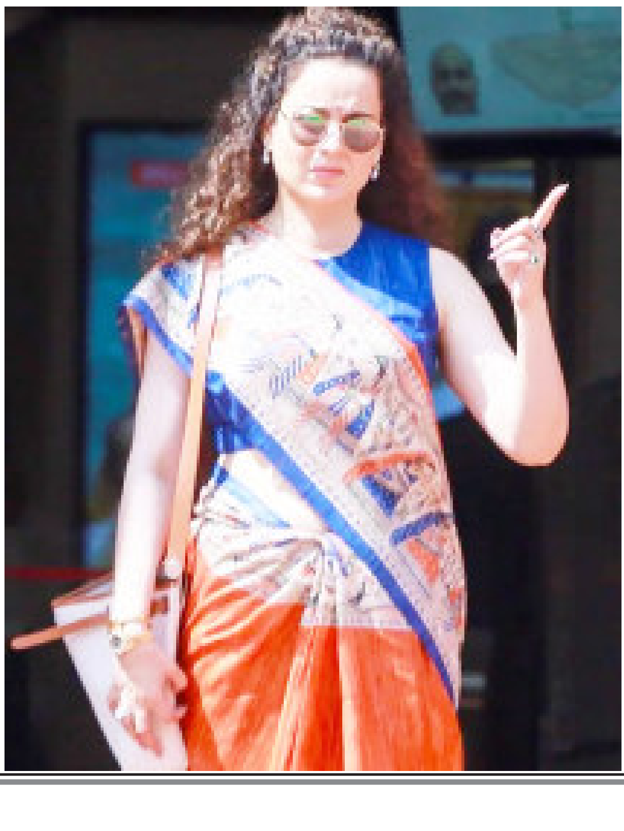

मालूम हो कि सारा अली खान अकसर ही केदारनाथ जाती रहती हैं। वह अन्य मंदिरों में भी दर्शन के लिए जाती रहती हैं। सारा ने हमेशा ही खुद को भारतीय कहा है और यह भी कहती आई हैं कि वह हर धर्म को मानती हैं। लेकिन अब बद्री–केदार मंदिर समिति ने फैसला किया है कि सारा अली खान और बाकी सभी गैर–हिंदुओं या गैर–सनातनियों को दर्शन से पहले एफिडेविट दिखाना होगा।

सारा को भी दिखाना होगा एफिडेविट

इस पर कंगना रनौत ने संसद के बाहर मीडिया से बातचीत में कहा, सब सनातनी हैं। यहां पर जो भी हैं, सब सनातनी हैं। सनातन मतलब जिसका ना आदि है ना अंत। सारे धर्म 1000–1500 साल पुराने हैं। सनातन ही है, जो सत्य है। तो वो भी सनातनी हैं। अब उन्हें सत्य लिखने में क्या घबराहट। लिख दीजिए। सब सनातनी हैं। यहां पर जो भी हैं, सब सनातनी हैं। सनातन मतलब जिसका ना आदि है ना अंत। सारे धर्म 1000–1500 साल पुराने हैं। सनातन ही है, जो सत्य है। तो वो भी सनातनी हैं। अब उन्होंने सत्य लिखने में क्या घबराहट। लिख दीजिए।

मेरी पर्सनल ट्रिप से क्या लेना–देना?

सारा अली खान ने अभी न तो बदले हुए नियम पर रिएक्ट किया है और ना ही कंगना रनौत के स्टेटमेंट पर, लेकिन उनका एक पुराना बयान सुर्खियों में हैं। सारा ने साल 2025 में में कहा था कि उनकी पर्सनल ट्रिप सिर्फ उनकी है और इससे बाकी लोगों का कोई लेना–देना नहीं है। सारा ने यह भी कहा था कि उनका भारत देश धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है, जहां लोगों ने ही सीमाएं बनाई हैं और अपनी सहूलियत के हिसाब से उनमें हेरफेर किया है। सारा ने कहा था कि वह उन्हें नहीं मानतीं। वह केदारनाथ इसलिए जाती हैं, क्योंकि उन्हें वहां सुकुन, शांति और खुशी मिलती है।

सारा रोक–टोक बिना जाती रही हैं मंदिर भी

अब बदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति ने एक नई सब–कमिटी का गठन कर दिया है, जो अब एसओपी तैयार करने में लगी है। सारा की बात करें, तो वह फिल्म केदारनाथ के वक्त से ही केदारनाथ के अलावा अन्य मंदिरों में दर्शन के लिए जाती रही हैं। आज तक उनके दर्शन करने पर कभी रोक–टोक या पाबंदी नहीं लगाई गई, लेकिन अब केदारनाथ में दर्शन के लिए सारा को पहले एफिडेविट देना होगा और बताना होगा कि उनकी सनातन में आस्था और विश्वास है।

40 की उम्र के बाद महिला के दांत–जबड़ा हो जाते हैं कमजोर

अक्सर माना जाता है कि मेनोपॉज केवल हार्मोनल बदलाव से जुड़ा होता है, लेकिन इसका असर शरीर के कई हिस्सों पर पड़ता है, जिनमें मुंह और दांत भी शामिल हैं। नियमित डेंटल चेकअप से महिलाएं बढ़ती उम्र में अपने दांतों का ध्यान रख सकती हैं।

मेनोपॉज के दौरान शरीर में एस्ट्रोजन हार्मोन का स्तर कम हो जाता है। इसका असर लार के बनने पर भी पड़ता है, जिससे मुंह सूखने लगता है और दांतों को प्राकृतिक सुरक्षा कम मिलती है।मेनोपॉज के दौरान हार्मोन्स के कारण कई महिलाओं को दांतों से जुड़ी तकलीफें होने लगती हैं। शरीर में कैल्शियम की कमी होने से हड्डियां और दांत कमजोर होने लगते हैं। इस लेख में हम बता रहे हैं कि मेनोपॉज के बाद महिलाओं में दांतों की समस्याएं क्यों बढ़ जाती हैं और इनसे कैसे राहत पाई जा सकती है।

लार कम होने से दांतों की समस्या बढ़ती है
मेनोपॉज के दौरान महिलाओं के शरीर में एस्ट्रोजन हार्मोन की कमी के कारण मुंह में लार कम बनती है। एस्ट्रोजन हार्मोस लार ग्रंथियों को हेल्दी रखने और मुंह में नमी बनाए रखने में सहायक है। लार मुंह को बैक्टीरिया से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जब लार कम बनने लगती है तो दांतों में सड़न और संवेदनशीलता की समस्या बढ़ सकती है। इसी कारण महिलाओं में दांतों में सड़न और दांतों की सेंसिटिविटी बढ़ने के मामले बढ़ सकते हैं।

जबड़े की हड्डी हो सकती है कमजोर
मेनोपॉज के दौरान महिलाओं के शरीर में एस्ट्रोजन हार्मोन की कमी का असर हड्डियों पर भी पड़ता है। इसी के चलते मेनोपॉज पीरियड में महिलाओं के जबड़े की हड्डी कमजोर हो सकती है, जिससे दांत ढीले होने या गिरने का खतरा बढ़ जाता है। मेनोपॉज के बाद महिलाओं को हड्डियों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना चाहिए, क्योंकि इसका असर उनके दांतों की पकड़ पर भी पड़ता है।

बर्निंग माउथ सिंड्रोम की समस्या होती है
मेनोपॉज के दौरान कई महिलाओं को बर्निंग माउथ सिंड्रोम की समस्या होने लगती है। ऐसा एस्ट्रोजन हार्मोन की कमी के कारण होता है। इसमें जीभ, होंठ, या पूरे मुंह के अंदर जलन महसूस होती है। साथ ही स्वाद में बदलाव, मुंह सूखना या असामान्य संवेदनशीलता जैसी तकलीफें भी होने लगती हैं। इस स्थिति में हेल्थ एक्सपर्ट से अपनी जांच और उचित इलाज कराना जरूरी है। सही देखभाल और नियमित जांच के जरिए इन समस्याओं से काफी हद तक बचा जा सकता है।

बर्निंग माउथ सिंड्रोम से कैसे राहत पाएं?
मेनोपॉज के दौरान अगर महिला को बर्निंग माउथ सिंड्रोम की समस्या हो रही है तो इसे नजरअंदाज न करें। सबसे पहले अपना डेंटल चेकअप कराएं। इसके साथ ही अपनी लाइफस्टाइल और डाइट बदलें। मसालेदार और एसिड बनाने वाले फूड से परहेज करें। फल, हरी सब्जियां, मोटा अनाज और डेयरी प्रोडक्ट्स को अपनी डाइट में शामिल करें। इससे मेटाबॉलिज्म अच्छा रहता है। दांतों में सेंसिटिविटी बढ़ रही है तो चाय–कॉफी, सोडा आदि न पिएं। सलाइवा कम बन रहा है तो ड्राई माउथ की समस्या से बचने के लिए खूब पानी पिएं।

फैटी लिवर ठीक करने वाला 1 तरीका कर सकता है कैंसर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

दिल्ली स्थित श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट के गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी एंड हेपेटोलॉजी के डायरेक्टर डॉक्टर गुरवंत एस लांबा ने कैस्पेस–2 एंजाइम की जरूरत और इसकी कमी से होने वाले खतरे के बारे में विस्तार से समझाया है। उन्होंने फैटी लिवर को शुरुआती स्टेज में रिवर्स करने के कुछ नेचुरल उपाय भी शेयर किए हैं।

स्टडी से क्यों बढ़ी चिंता?
रिसर्चर्स की टीम ने कुछ चूहों को जेनेटिकली मोडिफाई करके अध्ययन किया ताकि यह समझा जा सके कि शरीर में कैस्पेस–2 एंजाइम के ना रहने या काम ना करने से क्या फर्क पड़ता है। वक्त बीतने के साथ इन चूहों में लिवर इंफ्लामेशन, हेपेटाइटिस जैसी लिवर डिजीज, स्कारिंग, ऑक्सीडेटिव डैमेज और इंफ्लामेशन से जुड़ी एक तरह के सेल की डेथ देखी गई। उम्र बढ़ने पर इन चूहों के अंदर लिवर कैंसर की ज्यादा संभावना भी दिखी।

जवानी से ज्यादा बुढ़ापे में खतरा
शोधकर्ताओं ने इस एंजाइम के काम ना करने से जवान चूहों के मुकाबले बूढ़े चूहों में लिवर ट्यूमर के मामले 4 गुना तक देखे। यह दिखाता है कि कम उम्र में फैटी लिवर का यह इलाज प्रभावी जरूर हो सकता है, लेकिन उम्र बढ़ने पर इसके संभावित खतरों का सामना भी करना पड़ सकता है। यह ट्यूमर हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा से मिलता–जुलता था, जो कि इंसानों में लिवर कैंसर का सबसे आम प्रकार है। इस रिसर्च ने कैस्पेस–2 एंजाइम की गैरहाजिरी से लिवर सेल्स को पहुंचने वाले नुकसान पर जोर दिया है।

क्या हो सकता है कारण?

रिसर्च की लीड रिसर्चर ने बताया कि लिवर सेल्स के अंदर पोलिप्लोइडी नाम के जेनेटिक मटेरियल की एक अतिरिक्त कॉपी होती है, जो लिवर को तनाव से उबरने में मदद करती है। कैस्पेस–2 एंजाइम की गैर–मौजूदगी में पोलिप्लोइडी का बढ़ा हुआ लेवल लिवर को डैमेज कर सकता है। क्योंकि यह एंजाइम–2 लिवर की हेल्दी सेल्स के बने रहने और डैमेज सेल्स के हटने वाले बेलेंस के लिए जरूरी है।

फैटी लिवर ट्रीटमेंट में कैस्पेस-२ का रोल
हेपेटोलॉजिस्ट और ऑन्कोलॉजिस्ट डॉक्टर गुरवंत एस लांबा ने समझाया कि कैस्पेस–2 लिवर के अंदर फैट बनने और स्टोर होने के प्रोसेस से जुड़ा होता है। इसलिए कुछ रिसर्च में इस एंजाइम की एक्टिविटी को कम करने से लिवर में अतिरिक्त फैट जमने और फैटी लिवर की बीमारी में कमी देखी गई है। लेकिन इस एंजाइम का काम लिवर में केवल फैट स्टोरेज से जुड़ा नहीं होता।

कैस्पेस-2 एंजाइम का काम क्या है?
डॉक्टर लांबा के अनुसार, कैस्पेस–2 एक जरूरी एंजाइम है, जो शरीर में सेल्स की क्लीनिंग और कंट्रोलिंग में मदद करता है। यह पुरानी या डैमेज्ड सेल्स को पहचानकर उसे खत्म कर देता है ताकि वह आगे चलकर नुकसान ना पहुंचा सकें। लिवर के मामले में इसका रोल काफी अहम है, क्योंकि यह अंग लगातार शरीर के टॉक्सिन और फैट को मेटाबॉलाइज करता है। ऐसे में अगर इसके अंदर डैमेज सेल्स जमा होने लगें तो शरीर में विषाक्त पदार्थ और वसा बढ़ने का खतरा रहता है। यह एंजाइम शरीर के लिए खतरनाक ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करने, मेटाबॉलिज्म को बैलेंस रखने और सेल्स को स्टेबलाइज रखने में महत्वपूर्ण होता है।

कैस्पेस-2 की कमी और लिवर कैंसर में कनेक्शन
जब कैस्पेस–2 की कमी से लिवर की डैमेज्ड सेल्स के हटने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है तो यह खराब कोशिका खत्म होने की जगह लिवर में जमा होने लगती हैं। डॉक्टर गुरवंत लांबा ने बताया कि धीरे–धीरे ये कोशिकाएं ट्यूमर या कैंसर का रूप ले लेती हैं। इससे आसपास के टिश्यू में सूजन, ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और डैमेज बढ़ने लगती है और धीरे–धीरे लिवर डैमेज होने लगता है।

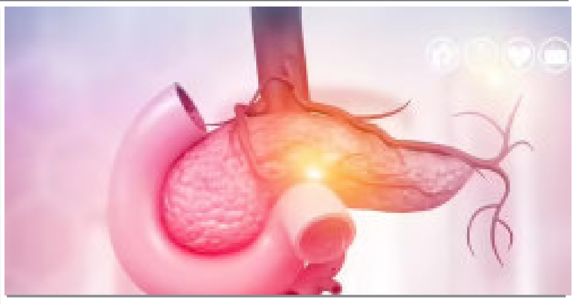

लिवर खराब होने पर किस रंग का मल आता है?

जब भी कोई मरीज पेट की दिक्कत लेकर चिकित्सक के पास आता है तो मेरी तरह हर डॉक्टर उसके मल का रंग पूछता है। क्योंकि, इस जानकारी की मदद से समस्या की जड़ का अंदाजा लग जाता है। उदाहरण के लिए उसे अंदाजा लग जाता है कि एब्डोमिनल पार्ट में हो रहे दर्द के पीछे पेट की समस्या है या लिवर की समस्या है या गॉलब्लैडर की समस्या है। जैसे लिवर में खराबी आने पर मल का रंग पीला या मटमैला (मिट्टी के रंग जैसा) हो जाता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि बाइल डक्ट और पैंक्रियाज की समस्या के अंदर भी यही लक्षण दिखता है। सामान्य तौर पर मल का रंग भूरा होता है और इसकी वजह बाइल जूस होता है। यह फ्लूइड डायजेशन में मदद करता है, इसे लिवर बनाता है और गॉलब्लैडर में स्टोर किया जाता है। कई बार भोजन या दवाइयों की वजह से मल के सामान्य रंग में बदलाव आ जाता है। लेकिन अगर इसका रंग बिना किसी स्पष्ट कारण के पीला हो रहा है या इसके साथ किसी तरह की तकलीफ हो रही है तो इसे नजरअंदाज बिल्कुल ना करें। बाइल जूस का काम डायजेशन के दौरान फैट्स को तोड़ना है। इसके अंदर बाइल साल्ट और बिलिरुबिन नाम के पिग्मेंट होते हैं और इन्हीं की वजह से मल का भूरा रंग आता है। लेकिन जब बाइल जूस आंतों तक पर्याप्त मात्रा में नहीं पहुंच पाता है तो मल का रंग बदलकर पीला या मटमैला हो जाता है। आमतौर पर इसके पीछे लिवर का ढंग से काम ना करना या बाइल डक्ट में ब्लॉकेज होती हैं। जब बाइल फ्लो कम या बाधित हो जाता है तो पाचन बिगड़ जाता है और मल का रंग सामान्य से हल्का होने लगता है।

पास्ता खुद नहीं, उसमें डलने वाली चीजें वजन बढ़ाती हैं

पास्ता कई लोगों का पसंदीदा फूड होता है। लोग अक्सर अपनी पसंद के मुताबिक इन्हें खाते हैं, लेकिन अक्सर इसे खाने के बाद गिल्ट भी करते हैं। कई लोगों का ऐसा मानना है कि पास्ता खाने से वजन बढ़ता और इसलिए कई लोग इसे खाने से कतराते हैं। क्या आप भी उन लोगों में से हैं, जिन्हें है कि एक प्लेट पास्ता खाना मतलब सीधा वजन बढ़ाना है? कई समय से पास्ता को श्डाइटिंग का सबसे बड़ा दुश्मनश माना जाता रहा है। लोग सोचते हैं कि यह सिर्फ स्टार्च और कार्बोहाइड्रेट का मिश्रण है, जो पेट फुलाता है और सुस्ती लाता है। लेकिन सच वो नहीं, जो आप मानते आए हैं। सच इससे काफी अलग है, जिसके बारे में मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, नोएडा में क्लिनिकल न्यूट्रिशन की हेड डॉ. करुणा चतुर्वेदी बता रही हैं। डॉक्टर बताती हैं कि अगर इसे सही तरीके और सही चीजों के साथ खाया जाए, तो यह आपकी सेहतमंद डाइट और वजन कम करने के सफर का एक शानदार हिस्सा बन सकता है। डॉक्टर बताती हैं कि पास्ता मुख्य रूप से कार्बोहाइड्रेट है, जो हमारे शरीर और दिमाग के लिए एनर्जी का सबसे बड़ा सोर्स है।

आसान भाषा में समझें नींद और सपनों की दुनिया का रहस्य

बच्चे हो या बड़े, सोते समय हम सभी सपना देखते हैं। इस दौरान हम सपनों की एक अलग ही दुनिया में सैर करते हैं। 19वीं सदी में मनोवैज्ञानिक सिगमंड फ्रायड ने पहली बार सपनों के गहरे मतलब पर बात की थी। हालांकि, वैज्ञानिक आज भी इस रहस्य को सुलझाने में लगे हैं कि आखिर हम सपने क्यों देखते हैं। सपने वो तस्वीरें, विचार और भावनाएं हैं, जो नींद के दौरान हमारे दिमाग में चलती हैं। ये अक्सर हमारे ही नजरिए (थ्पतेज–चमतेवद) से होते हैं, इन पर हमारा कोई कंट्रोल नहीं होता और इनमें असल जिंदगी की झलक के साथ–साथ अजीबोगरीब कहानियां भी होती हैं। मनोवैज्ञानिकों में इसे लेकर अभी भी बहस जारी है। कुछ का मानना है कि ये हमारी छिपी हुई इच्छाओं या डरों का आइना हैं, जबकि कुछ कहते हैं कि इनका कोई सटीक मतलब नहीं होता। हालांकि, इतना तय है कि हमारे सपने कहीं न कहीं हमारी असल जिंदगी के अनुभवों से ही जुड़े होते हैं। दिनभर की अहम जानकारियों और यादों को दिमाग में अच्छी तरह स्टोर करने के लिए हम सपना देखते हैं। सपने देखना दिनभर की भावनाओं (जैसे– डर, खुशी, तनाव) को सुरक्षित तरीके से प्रोसेस करने का एक तरीका है।

स्क्वैश में बड़ा नाम हैं दीपिका पल्लीकल

दीपिका ने दुनिया की टॉप–10 रैंकिंग में जगह बनाने वाली पहली भारतीय महिला के तौर पर भारतीय स्क्वैश इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया। पद्मश्री से सम्मानित दीपिका कॉमनवेल्थ और एशियन गेम्स में पदक जीत चुकी हैं और देश की सम्मानित एथलीटों में से एक हैं। उन्होंने आखिरी बार अक्टूबर 2023 में हांग्जो एशियन गेम्स में हिस्सा लिया था, जहां उन्होंने मिश्रित डबल्स में गोल्ड मेडल जीता था। 2022 की शुरुआत में मातृ अवकाश से लौटने के बाद, उन्होंने सफल वापसी की, वर्ल्ड डबल्स स्क्वैश चैंपियनशिप में दो खिताब जीते और 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में कांस्य पदक जीता।

दिनेश कार्तिक–दीपिका पल्लीकल के घर फिर गूंजी किलकारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। पूर्व विकेटकीपर–बल्लेबाज दिनेश कार्तिक और स्क्वैश स्टार दीपिका पल्लीकल के घर बेटी का जन्म हुआ है। इसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से दी है। कपल ने सोशल मीडिया पर लिखा, हमारे दिलों में दुआओं और शब्दों से परे शुक्रिया के साथ, हम खुशी–खुशी अपनी प्यारी बेटी का इस दुनिया में स्वागत करते हैं। कबीर और जियान अपनी छोटी बहन, राहा पल्लीकल कार्तिक को परिचित कराते हुए बहुत खुश हैं। प्यार, दीपिका और दिनेश। इस कपल ने 25 अगस्त, 2015 को पारंपरिक हिंदू और ईसाई रीति–रिवाजों से शादी की और 2021 में उनके जुड़वां बच्चे हुए। दिनेश कार्तिक एक बेहतरीन विकेटकीपर बल्लेबाज रहे हैं और देश के लिए तीनों ही फॉर्मेट में खेल चुके हैं। पूर्व भारतीय खिलाड़ी दिनेश कार्तिक को बांग्लादेश के खिलाफ आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर भारत को निदाहास ट्रॉफी में चैंपियन बनाने के लिए हमेशा याद किया जाता है। वह 2007 टी20 विश्व कप और 2013 चौंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली भारतीय टीम के भी सदस्य रहे हैं। दिनेश का आईपीएल करियर भी शानदार रहा है।

वनडे विश्व कप 2027 जीतने तक मुझे रहने दो

अजीत अगरकर ने की बीसीसीआई के सामने एक बड़ी मांग

क्रिकेट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के गलियारों से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। सीनियर मेंस चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने बीसीसीआई से अपना कार्यकाल 2027 वनडे वर्ल्ड कप तक बढ़ाने का अनुरोध किया है। अगरकर का यह अनुरोध ऐसे समय में आया है जब भारतीय टीम उनकी देखरेख में एक के बाद एक तीन आईसीसी खिताब (टी20 वर्ल्ड कप 2024, चैंपियंस ट्रॉफी 2025 और टी20 वर्ल्ड कप 2026) जीत चुकी है।

अजीत अगरकर का कॉन्ट्रैक्ट आईपीएल 2025 से पहले ही एक साल के लिए बढ़ाया गया था। अब भारत द्वारा घरेलू मैदान पर टी20 वर्ल्ड कप का खिताब डिफेंड करने के ठीक एक हफ्ते बाद, अगरकर ने अगले 50–ओवर वर्ल्ड कप तक जिम्मेदारी संभालने की इच्छा जताई है। हालांकि बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन

मन्हास और सचिव देवजीत सैकिया की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन माना जा रहा है कि बोर्ड इस पर गंभीरता से विचार कर रहा है।

अगरकर का कार्यकाल उपलब्धियों से भरा रहा है। पिछले कुछ सालों में भारतीय टीम ने उनके चयन के तहत शानदार प्रदर्शन किया है। अगरकर के कार्यकाल में भारत ने सीमित ओवरों के क्रिकेट में अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। भारत ने पिछले 33 सफेद गेंद के मैचों में से केवल 2 गंवाए हैं और 2023 व 2025 का एशिया कप भी जीता है। इसके उलट, टेस्ट क्रिकेट में भारत का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। टीम ने घर पर लगातार दो सीरीज हारीं और बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में भी करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा। यही कारण है कि बीसीसीआई के अंदर एक धड़ा वेस्ट जोन के ही किसी अन्य पूर्व क्रिकेटर को इस पद के लिए दावेदार मान रहा है।

बता दें कि एक चयनकर्ता के तौर पर अगरकर ने कई ऐसे फैसले लिए जिनमें काफी हिम्मत की जरूरत थी। पहला हार्दिक पांड्या की जगह सूर्यकुमार यादव को लंबे समय के लिए टी20 कप्तान बनाना। फिर वनडे कप्तानी में बदलाव जैसा भावुक और कड़ा फैसला लेना।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या रोहित शर्मा और विराट कोहली 2027 वर्ल्ड कप का हिस्सा होंगे? इस पर अगरकर और हेड कोच गौतम गंभीर ने हमेशा वर्तमान में जीने की बात कही है। अगरकर ने हाल ही में कहा था कि दो साल बाद स्थिति क्या होगी, यह कोई नहीं जानता। फिलहाल रोहित और विराट वनडे क्रिकेट खेल रहे हैं। अगर बीसीसीआई अगरकर का कार्यकाल बढ़ाता है, तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि 2027 के महाकुंभ की कमान उन्हीं के हाथों में होगी।

अर्जुन तेंदुलकर का भारी बैट, वजन सुन ऋषभ पंत भी हैरान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर का करियर अभी तक क्लिक नहीं कर पाया है। घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में भी अर्जुन अपनी मजबूत पहचान बनाने के लिए लगातार कड़ी मेहनत कर रहे हैं। आईपीएल 2026 में अर्जुन मुंबई इंडियंस की जगह लखनऊ सुपर जायंट्स की तरफ से खेलते हुए नजर आएंगे।

अर्जुन अगले सीजन में अपना प्रभाव छोड़ने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। इस सीजन में उन्हें कप्तान ऋषभ पंत के साथ काम करना है। एलएसजी ने अभ्यास सत्र का एक वीडियो साझा किया है जिसमें पंत और अर्जुन एक दूसरे से बातचीत करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान पंत अर्जुन के बल्ले का वजन जानकर हैरान हो जाते हैं।

वीडियो में पंत ने अर्जुन से उनके बल्ले का वजन पूछा। अर्जुन ने बताया, 1220 ग्राम। इतना सुनकर पंत हैरान

■बल्लेबाज के रूप में खेलेंगे अर्जुन तेंदुलकर?

रह गए। पंत ने पूछा कि भारी बल्ले से खेलने का क्या फायदा है, तो अर्जुन ने जवाब दिया, टच करो, हो जाता है। पापा 1310–1315 के साथ खेलते थे। मैं 1200 से नीचे नहीं जाता। पंत अपने बैट का वजन बताते हैं। वह 70–80 ग्राम के बैट से खेलते हैं।

अर्जुन तेंदुलकर और ऋषभ पंत की उम्र में ज्यादा अंतर नहीं है। इसलिए एलएसजी कैंप में मिलते ही दोनों दोस्त बन गए हैं। वीडियो में पंत एक जगह अर्जुन से यह कहते हुए दिखते हैं कि जब भी जरूरत होगी, वह उनके लिए मौजूद रहेंगे। पंत ने अर्जुन के डेडिकेशन की भी तारीफ की कि वह अपनी शादी के ठीक एक दिन बाद सीजन की तैयारी के लिए युवराज सिंह से जुड़ गए। अर्जुन तेंदुलकर वैसे तो बॉलिंग ऑलराउंडर हैं। लेकिन उनके पास बल्लेबाजी में भी काफी पोटेंशियल है। अर्जुन अब तक आईपीएल में गेंदबाजी से इतनी छाप नहीं छोड़ पाए हैं। ऐसे में हो सकता हो कि एलएसजी उनका बल्लेबाजी में प्रमोशन कर दे।

इतना ही नहीं बल्कि आप अर्जुन की बैटिंग एबिलिटी का अंदाजा इससे लगा सकते हैं कि उन्होंने रणजी ट्रॉफी डेब्यू पर शानदार शतक लगाया था। वहीं दिग्गज युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह ने अर्जुन की बल्लेबाजी के बारे में एक जगह बात करते हुए कहा था कि वह सचिन की तरह बल्लेबाजी कर रहे थे। ऐसे में अगर अर्जुन लखनऊ के लिए थोड़ा ऊपर बल्लेबाजी करते हुए दिखते हैं तो इसका हैरान होने वाली बात नहीं होगी। बॉलिंग ऑलराउंडर अर्जुन तेंदुलकर घरेलू क्रिकेट में गोवा की तरफ से खेलते हैं।

अनफिट बाबर और फखर ने खेला वर्ल्ड कप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट में एक बार फिर चयन को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। ताजा मामला पूर्व कप्तान बाबर आजम और स्टार बल्लेबाज फखर जमां की फिटनेस से जुड़ा है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के मेडिकल पैनल को संदेह है कि टी20 वर्ल्ड कप के दौरान ये दोनों खिलाड़ी पूरी तरह फिट नहीं थे, फिर भी इन्हें टीम में शामिल किया गया। टी20 वर्ल्ड कप के बाद जब दोनों खिलाड़ियों की मेडिकल जांच हुई, तो चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, यूके स्थित स्पोर्ट्स मेडिसिन कंसल्टेंट डॉ. जावेद मुगल ने इस मुद्दे को उठाया है। वरिष्ठ चयनकर्ता आकिब जावेद ने भी पिछले हफ्ते बांग्लादेश सीरीज के लिए टीम घोषित करते समय इस ओर इशारा किया था कि बोर्ड इन दोनों की फिटनेस परिस्थितियों की जांच करेगा।

न्यूज डायरी

सचिन तेंदुलकर और अंजलि ने छुए मां के पांव, मराठी नववर्ष पर लिया आशीर्वाद

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मुंबई। क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर ने एक बार फिर अपने संस्कारों से करोड़ों फैंस का दिल जीत लिया है। मराठी नववर्ष और गुड़ी पड़वा 2026 के शुभ अवसर पर सचिन ने अपनी जड़ों से जुड़े रहने का एक बेहद खूबसूरत उदाहरण पेश किया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया पर साझा किए गए इस दिल छू लेने वाले वीडियो में मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर और उनकी पत्नी अंजलि तेंदुलकर पूरी तरह से पारंपरिक अंदाज में नजर आ रहे हैं। वीडियो का सबसे भावुक पल वह था जब सचिन और अंजलि ने अपनी मां के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया। वर्ल्ड आइकन होने के बावजूद अपनी संस्कृति और बड़ों के प्रति इस सम्मान ने फैंस का दिल एक बार फिर से जीत लिया है। सचिन ने अपने फैंस को मराठी भाषा में संबोधित करते हुए नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, गुढी पाडव्याच्या हार्दिक शुभेच्छा, जिसका मतलब होता है कि गुड़ी पड़वा की हार्दिक शुभकामनाएं। उन्होंने हर घर की सुख–शांति और बेहतर स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना की। सचिन अक्सर ऐसे अवसरों का उपयोग नई शुरुआत के महत्व और अपनी विरासत से जुड़े रहने के संदेश के लिए करते हैं, जो इस साल के पोस्ट में भी साफ झलका। गुड़ी पड़वा मराठी नववर्ष की शुरुआत का प्रतीक है, जो चैत्र मास के पहले दिन मनाया जाता है। यह त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत और वसंत ऋतु के आगमन का जश्न है। इसे भगवान राम के अयोध्या आगमन से भी जोड़कर देखा जाता है। इस दिन घरों के बाहर गुड़ी (सजाया हुआ बांस और कलश) फहराई जाती है, जिसे समृद्धि और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है।

एआई डीपफेक के गलत इस्तेमाल के खिलाफ दिल्ली एचसी पहुंचे गौतम गंभीर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर डीपफेक वीडियो का शिकार बन गए हैं। पूर्व विश्व कप विजेता गंभीर ने अपनी पहचान के गलत इस्तेमाल के खिलाफ सख्त रुख अपनाया और दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। गंभीर एक सिविल सूट दाखिल कर अपनी पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा की मां कर रहे हैं। आज डिजिटल दौर में एआई और डीपफेक तकनीक के बढ़ते खतरे को सामने लाता है। ये मामला साल 2025 के आखिरी का है, जब गौतम गंभीर के नाम, चेहरे और उनकी आवाज का गलत इस्तेमाल किया गया। कुछ लोगों ने एआई, फेस–स्वैपिंग और वॉयस क्लोनिंग तकनीक का उपयोग कर वीडियो बनाए, जिनमें गंभीर को ऐसी बातें कहते दिखाया गया जो उन्होंने कभी कही ही नहीं। ये वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हुई और फर्जी वीडियो को लाखों लोगों ने देखा और इसको सच माना। दो वीडियो खास तौर पर चर्चा में रहे। एक वीडियो में गंभीर को हेड कोच पद से इस्तीफा देते दिखाया गया, जिसे लाखों लोगों ने देखा। दूसरे वीडियो में उन्हें दिग्गज खिलाड़ियों पर विवादित टिप्पणी करते हुए दिखाया गया, जिससे विवाद खड़ा हुआ। गंभीर को लेकर वायरल हुए एक फर्जी रेजिग्नेशन को 20 लाख से ज्यादा व्यूज मिले थे, जबकि एक और क्लिप, जिसमें उन्हें सीनियर प्लेयर पर टिप्पणी करते दिखाया गया, 17 लाख व्यूज तक पहुंची।

युजवेंद्र चहल ने पिछले 6 महीनों से शराब को नहीं लगाया हाथ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार स्पिनर युजवेंद्र चहल एक बार फिर चर्चा में हैं, लेकिन इस बार वजह उनकी फिरकी नहीं, बल्कि उनकी फिटनेस है। प्ल्प 2026 के आगाज से पहले चहल ने एक ऐसा खुलासा किया है जिसने उनके फैंस और क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया है। दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज एबी डीविलियर्स के यूट्यूब पॉडकास्ट पर बात करते हुए चहल ने अपनी पर्सनल लाइफ के एक बड़े बदलाव के बारे में बताया। चहल ने बताया कि उन्होंने पिछले 6 महीनों से शराब का सेवन पूरी तरह बंद कर दिया है। 35 साल की उम्र में कदम रख चुके इस लेग स्पिनर का मानना है कि अब उनके करियर का वह पड़ाव है जहां फिटनेस ही सबसे बड़ी कुंजी है। चहल ने कहा, मैं अब अपनी टीम के लिए अपना 150: देना चाहता हूं। एक सीनियर खिलाड़ी होने के नाते मेरी जिम्मेदारी है कि युवा खिलाड़ी मुझसे कुछ सकारात्मक सीखें। युजी का ये कड़ा फैसला बताता है कि वह अपनी गेंदबाजी की धार को कम नहीं होने देना चाहते।

page3free

श्री राम जन्म भूमि मन्दिर के द्वितीय तल पर श्री राम यंत्र की स्थापना करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू।

संक्षिप्त समाचार

मसूरी क्षेत्र के पूर्व ग्राम प्रधानों से मिले कैबिनेट मंत्री

संवाददाता देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने गुरुवार को मसूरी क्षेत्र के पूर्व ग्राम प्रधानों से भेंट कर क्षेत्रीय विकास से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान पूर्व ग्राम प्रधानों ने अपने–अपने क्षेत्रों की समस्याओं, आवश्यकताओं एवं विकास कार्यों से जुड़े सुझाव मंत्री के समक्ष रखे। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है और जनप्रतिनिधियों के सुझावों के आधार पर योजनाओं को और प्रभावी बनाया जाएगा। मसूरी क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण, सड़क, पेयजल, विद्युत एवं अन्य विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जा रहा है।

मसूरी की समस्याओं का समाधान न किया गया तो आंदोलन किया जायेगा

संवाददाता देहरादून। देवभूमि जन कल्याण विकास एकता समिति ने शहर के विभिन्न मुद्दों के हल नहीं होने पर रोष जताया। उन्होंने प्रशासन व पालिका से समस्याओं के समाधान की मांग की। गुरुवार को बैठक के दौरान मसूरी की समस्याओं व मुद्दों पर चर्चा की गई। समिति के अध्यक्ष प्रकाश राणा ने कहा कि मसूरी में एमडीडीए की ओर से अपना कार्य सही तरीके से नहीं किया जा रहा है।आरोप लगया कि रसूखदारों के काम हो रहे हैं जबकि गरीबों को प्रताड़ित किया जा रहा है।आरोप लगाया कि एमडीडीए की उदासीनता के चलते शहर में आलीशान होटल बनाए जा रहे हैं। कहा कि एमडीडीए की दोहरी नीति के खिलाफ जल्द ही आंदोलन किया जाएगा।

होटल एसोसिएशन ने मंत्री जोशी का आभार जताया

संवाददाता देहरादून। मसूरी होटल एसोसिएशन ने मसूरी देहरादून मार्ग पर सीजन से पूर्व एक और वैलीब्रिज बनाये जाने के आदेश देने पर मसूरी विधायक व मंत्री गणेश जोशी का आभार व्यक्त किया। एसोसिएशन ने कहा कि आगामी सीजन पर वाले ब्रिज में लगने वाले जाम से भी राहत मिलेगी। होटल एसोसिएशन द्वारा काबीना मंत्री गणेश जोशी को भेजे गये पत्र में उनका आभार व्यक्त किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिटर्स,74/9,आराघर,देहरादून
से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।

एलपीजी गैस सिलेंडर कालाबाजारी में सलिंप्तता पर एजेंसी स्वामी को सीधे जेल

निर्देश

■एलपीजी सिलेंडर होमडिलिविरी सुनिश्चित कराने को जिले की प्रत्येक गैस एजेंसी पर अधिकारी तैनात

संवाददाता

देहरादून। जिलें में एलपीजी गैस की आपूर्ति, वितरण, बैकलॉग के सम्बन्ध में जिलाधिकारी सविन बसंल की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार कलेक्ट्रेट में जिला प्रशासन की क्यूआरटी एवं सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारी, गैस एजेंसियों के स्वामी एवं तेल कम्पनियों के पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिला प्रशासन ने गैस एजेसियों पर होमलिडिविरी व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने हेतु एजेंसियों पर अधिकारी तैनात कर दिए गए है, जो एजेंसी पर होने वाली प्रत्येक गतिविधि पर नजर रखेंगे वस्तुस्थिति से अवगत कराएगें।

जिलाधिकारी ने बढते बैकलॉग का कारण जाना तो तेल कम्पनियों के अधिकारियों ने बताया कि 03 दिन जब बुंकिग सोफ्टवेयर में काईसिस आ गई थी तो मैन्युअल रजिस्टर में अंकन कर उपभोक्ताओं को गैस की आपूर्ति की गई, जिसकी लगभग 25 से अधिक की एन्ट्री साफ्टवेयर पर अद्यतन होनी बाकी है तथा 11 मार्च से गैस बुकिंग व डिलिविरी के समय शहरी क्षेत्र में 25 दिन तथा ग्रामीण क्षेत्रों 45 दिन कर दिया गया है उससे पूर्व की जो एडवांस बुकिंग हो रखी हैं वह बैकलॉग में दर्शाई गयी है, जिससे बैकलॉग बढा हुआ दिख रहा हैं। जिस पर जिलाधिकारी ने जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देश दिए कि तेल कम्पनियों से सम्पर्क करते हुए आज शाम तक मैन्युअल एन्ट्री को साफ्टवेयर पर एजेंसी के माध्यम से एन्ट्री कराएं तथा जिन उपभोक्ताओं की एडवांस बुकिंग 25 एवं 45 दिन का बैकलॉग दिख रहा है उनकी संख्या अलग–2 दर्शाते हुए शाम तक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। निर्देशों का अनुपालन न करने पर सम्बधित गैस एजेसीं तेल कम्पनियों पर कार्यवाही के निर्देश दिए हैं।

जिलाधिकारी ने पुलिस अधीक्षक नगर को निर्देश दिए कि छापेमारी में जो अवैध रूप सिलेंडर पकड़े जा रहे हैं उनको ट्रेस किया जाए कि वह किस गैस एजेंसी के है, सम्बन्धित गैस एजेंसी की पहचान करते हुए एजेंसी स्वामी को नामजद करते हुए मुकदमा दर्ज कर जेल भेजे। जिलाधिकारी ने जिले की गैस एजेंसीवार नामित क्यूआरटी में शामिल 30 अधिकारियों को निर्देश दिए कि गैस एजेंसी पर स्टॉक, बैकलॉग, वितरण आदि रजिस्टर का अवलोकन कर प्रतिदिन की सम्पूर्ण आख्या प्रेषित करें। साथ ही निर्देशित किया यह सुनिश्चित कर लिया जाए कि किसी भी गैस एजेंसी व गोदाम से सिलेंडर न दिया जाए तथा उपभोक्ताओं को सिलेंडर होमडिलिवरी के माध्यम से ओटीपी आधार पर ही दिया जाए तथा एजेंसियों पर उपभोक्ता जागरूकता फ्लैक्सी, बुकिंग नम्बर, उपभोक्ताओं के लिए बड़े–बडे अक्षरों में जानकारी चस्पा रहे।

बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व के.के मिश्रा, पुलिस अधीक्षक नगर प्रमोद कुमार, नगर मजिस्ट्रेट प्रत्युष सिंह, नगर आयुक्त नगर निगम ऋषिकेश गोपालराम बिनवाल, उप जिलाधिकारी हरिगिरि, उप जिलाधिकारी अपर्णा ढौंडियाल, उप जिलाधिकारी अपूर्वा सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी केके अग्रवाल सहित क्यूआरटी में शामिल अन्य अधिकारी एवं तेल कम्पनियों के प्रतिनिधि ऑनलाईन माध्यम से जुड़े रहे।

गैस कालाबाजारी पर जिला प्रशासन का एक्शन

जिला प्रशासन की होमडिलिविरी व्यवस्था से एजेंसियों पर जुटने वाली भीड़ से हो रही अव्यवस्था से निजात मिला है वहीं कानून व्यवस्था भी नियंत्रण में है। जिला प्रशासन की क्यूआरटी के औचक निरीक्षणों एवं एलपीजी कालाबाजारी करने वालों पर दर्ज हुए मुकदमों एवं एजेंसियों की नाफरमानी पर की गई प्रवर्तन की कार्यवाही से गैस की कालाबाजारी करने वालों में भी भय का माहौल है। उपभोक्ताओं को होमडिलिविरी के माध्यम से ओटीपी आधार पर गैस उपलब्ध कराई जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा गैस की कालाबाजारी पर 05 मुकदमें दर्ज किए गए हैं तथा 03 को जेल भेजा, 150 घरेलू, 139 व्यवसायिक तथा 07 छोटे सिलेंडर जब्त किए हैं।

परियोजनाओं की लगातार मॉनिटरिंग किए जाने के निर्देश

बैठक

■मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने की व्यय वित्त समिति की बैठक

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन की अध्यक्षता में गुरुवार को सचिवालय में व्यय वित्त समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान शहरी विकास विभाग, पेयजल विभाग एवं लोक निर्माण विभाग के विभिन्न प्रस्तावों को संस्तुति प्रदान की गई।

मुख्य सचिव ने शहरी विकास विभाग की नीलकंठ महादेव (पौड़ी गढ़वाल) एवं रामनगर (नैनीताल) में मल्टीस्टोरी पार्किंग निर्माण कार्य को मंजूरी प्रदान करते हुए पार्किंग निर्माण गाइडलाइंस का अनुपालन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने नीलकंठ महादेव मल्टीस्टोरी पार्किंग एवं रामनगर, नैनीताल मल्टीस्टोरी पार्किंग (कुल लागत 3857.64 लाख) में प्रवेश एवं निकासी के लिए टर्निंग रेडियस सहित अन्य तकनीकी पहलुओं का विशेष ख्याल रखे जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने नीलकंठ महादेव में पार्किंग भूमि का जियोटेक्निकल सर्वे भी अनिवार्य रूप से कराए जाने की बात भी कही। साथ ही बिल्डिंग के फसाड के सौंदर्यीकरण का विशेष ध्यान रखे जाने के निर्देश भी दिए।

मुख्य सचिव ने पेयजल विभाग के कुल 4 प्रस्तावों (3 पेयजल परियोजनाओं – पीपलकोटी नगर पंचायत पेयजल योजना कुल लागत 2438.32 लाख, तिलवाड़ा नगर पंचायत पेयजल योजना कुल लागत 3986.24 लाख एवं ऊखीमठ नगर पंचायत पेयजल योजना कुल लागत 2578.52 लाख) एवं लालकुआं नगर पंचायत सीवरलाइन परियोजना को भी संस्तुति प्रदान की। उन्होंने ग्रेविटी आधारित पेयजल परियोजनाओं में मीटर लगाए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने सीवर लाइन परियोजना को पूर्ण किए जाने हेतु समयसीमा भी निर्धारित करते हुए लगातार मॉनिटरिंग किए जाने के निर्देश दिए। समिति द्वारा लोक निर्माण विभाग की काठगोदाम बाईपास मार्ग राष्ट्रीय राजमार्ग के अंतर्गत 3.500 किमी0 मार्ग एवं इसमें 75 मी0 स्पान का सेतु निर्माण को भी मंजूरी प्रदान की गई।

कांग्रेस ने सीनियर सिटीजनों की समस्याओं का मुद्दा उठाया

संवाददाता देहरादून। कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने शहर में हो रही दुर्घटनाएं, यातायात व्यवस्था में सुधार किए जाने, जगह–जगह अवैध तरीके से बिक रही शराब एवं सीनियर सिटीजनों की समस्याओं का मुद्दा एसपी ट्रैफिक के समक्ष उठाया। पूर्व विधायक राजकुमार ने मांगों से संबंधित ज्ञापन उन्हें भेजा। पूर्व विधायक राजकुमार ने ज्ञापन में कहा कि शहर की ट्रैफिक व्यवस्था बिल्कुल बिगड़ी हुई है। स्कूलों की छुट्टी होती है तो लोगों को घंटों जाम से जूझना पड़ता है। स्कूलों में बाहर सुबह व छुट्टी के वक्त पुलिस व्यवस्था की जाए। हर तिराहे, चौराहे पर पुलिस व ट्रैफिक व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही मलिन बस्तियों में, कालेज, स्कूलों के आसपास व अन्य जगहों पर अवैध तरीके से शराब बिक रही है उसे शीघ्र ही बंद किया जाए। उन्होंने कहा कि साथ ही जगह जगह जो अवैध तरीके से कार, स्कूटर स्टैंड चल रहे हैं उसे तुरंत बंद किया जाए। उन्होंने कहा कि आजकल सड़क के किनारे जो वाहन खड़े होते हैं उन्हें शीघ्र तरीके से सफेद लाइन के अंदर ही खड़ा किया जाए।

क्रिकेट प्रतियोगिता में आईटीएम की शानदार जीत

संवाददाता देहरादून। यूपीईएस द्वारा आयोजित ओजस क्रिकेट टूर्नामेंट के अंतर्गत गुरुवार को पहला मुकाबला आईटीएम और एसजीआरआर के बीच खेला गया। टॉस जीतकर एसजीआरआर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 12 ओवर में 96 रन बनाए। जवाब में आईटीएम की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मात्र 7.2 ओवर में 2 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

In a Digital World Why
To wait for a Howker
Visit Us at https://www.page3news.co.
Supporting Devices
All Apple Touch Phones & Tablets
All Android Touch Phones & Tablets
All Window & BlackBerry Touch Phones 10+

Scan This Code
Read News
Watch News Channel